दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 19/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 06 अगस्त 2024 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

ऊपरी स्तर से 1100 अंक गिरा शेयर बाजार

शेयर बाजार में आज यानी, 6 अगस्त को ऊपरी स्तर से करीब 1100 अंकों की गिरावट आई है। सेंसेक्स अभी 100 पॉइंट नीचे 78,660 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 25 अंकों की गिरावट है। ये 24,020 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दिल्ली में बांग्लादेश को लेकर सर्वदलीय बैठक, विदेश मंत्री ने कही ये बात

नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने सर्वदलीय बैठक के दौरान मिले समर्थन के लिए विपक्षी पार्टियों की सराहना की। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, आज संसद में सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश में चल रहे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। सर्वसम्मति से मिले समर्थन और समझ की सराहना करता हूं।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद सीमा पर हाई अलर्ट, बीएसएफ ने बढ़ाई सुरक्षा

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के चलते, भारत ने अपनी सीमा सुरक्षा को मजबूत कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर सभी इकाइयों के लिए 'हाई अलर्ट' घोषित कर दिया।

बीएसएफ के कार्यवाहक महानिदेशक, दलजीत सिंह चौधरी, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षा की समीक्षा की। महानिदेशक चौधरी ने दिल्ली से विमान के माध्यम से कोलकाता पहुंचकर उत्तर 24 परगना जिले और सुंदरबन क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति का निरीक्षण किया।

चटगांव में उपद्रवियों ने 6 पुलिस स्टेशनों में लगाई आग'

बांग्लादेश के चटगांव में उपद्रवियों ने कम से कम छह पुलिस स्टेशनों में तोड़फोड़ और आग लगा दी. स्थिति नियंत्रण से बाहर है. दावा किया जा रहा है कि देश में जल्द ही अंतरिम सरकार बनेगी।

गाजियाबाद में एयरबेस के सेफ हाउस में शेख हसीना

हिंसा के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आई पूर्व पीएम शेख हसीना का मिलिट्री प्लेन मंगलवार सुबह 9 बजे गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस से बांग्लादेश लौट गया, लेकिन उसमें हसीना और उनकी बहन रेहाना मौजूद नहीं थीं। प्लेन में 7 मिलिट्री पर्सनल मौजूद थे। शेख हसीना और उनकी बहन अभी एयरबेस के सेफ हाउस में मौजूद हैं। सूत्रों की मुताबिक, हसीना की बेटी दोपहर ढाई बजे उनसे मुलाकात करने एयरबेस पहुंच सकती हैं। वह अभी दिल्ली में हैं।

शेख हसीना को छोड़कर मिलिट्री प्लेन बांग्लादेश लौटा

प्रदर्शनकारी छात्रों की घोषणा, अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर होंगे नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश में हिंसा का दौर अभी भी जारी है और शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर डटे हैं। प्रदर्शनकारियों ने चटगांव में छह पुलिस थानों में तोड़फोड़ और आगजनी की। प्रदर्शनकारी पुलिस थानों से हथियार भी लूट ले गए। प्रदर्शनकारी आवामी लीग के नेताओं और अधिकारियों को निशाना बना रहे हैं। वहीं बांग्लादेश में जारी बवाल को शांत करने के लिए सेना प्रमुख आज प्रदर्शनकारियों के नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। इधर, हिंसा के बीच भारत पहुंचीं शेख हसीना का मिलिट्री प्लेन मंगलवार सुबह हिंडन एयरबेस से बांग्लादेश लौट गया है। विमान में हसीना मौजूद नहीं थीं। इधर, बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वाकर-उज-जमान ने अंतरिम सरकार बनाने की बात कही है। शेख हसीना के सबसे बड़े आलोचकों में शामिल नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस इस सरकार के चीफ एडवाइजर होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में पहले उनके प्रधानमंत्री बनने की अटकलें लगाई जा रही थीं। बांग्लादेश में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन को दोपहर 3 बजे तक संसद भंग करने का अल्टीमेटम दिया है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांग पूरी नहीं की गई तो वे सख्त कदम उठाएंगे।

आंदोलन का नेतृत्व करने वाले तीन छात्र नेताः नाहिद इस्लाम आसिफ महमूद अबु बकर मजूमदार

ढाका में रातभर फायरिंग और झड़प, जेल तोड़कर कई खूंखार आतंकी फरार- बांग्लादेश में तख्तापलट और शेख हसीना के इस्तीफे के बाद भी हिंसा का दौर जारी है। राजधानी ढाका में सोमवार रातभर झड़पें हुईं और फायरिंग की आवाज सुनी गई। दूसरी ओर, बांग्लादेश की जेलों में बंद कई खूंखार आतंकी फरार हो गए।

यूनुस ने स्वीकार किया प्रस्ताव

बांग्लादेश में नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार

के चीफ एडवाइजर होंगे। हसीना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस को सरकार बनाने में मदद का न्योता दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।

विपक्षी पार्टी ने प्रदर्शनकारी छात्रों को समर्थन दिया

विपक्षी पार्टी बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शनकारी छात्रों को पूरा समर्थन देंगे। खालिदा जिया ने लोगों से नए सरकार बनने तक शांत रहने की अपील की है।

सांध्यप्रकाश विशेष

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश एवं प्रदेश के राज्यपाल से सौजन्य भेंट की

भोपाल। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने आज उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल से राजभवन भोपाल में मुलाकात की। उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल से उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने राजभवन भोपाल में सौजन्य भेंट की।

मैं छोड़ूंगा नहीं..विपक्ष के किस बात पर भड़के शिवराज, कांग्रेस के अतीत को याद दिलाया

संसद का मॉनसून सत्र जारी है। इस बीच राज्यसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। राज्यसभा में प्राथमिकताओं का एक सेट सूचीबद्ध करते हुए, कृषि क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। चौहान ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने निश्चित रूप से हमेशा किसानों को सीधे मदद करने की बात की है। लेकिन इसने ऐसा कभी नहीं किया।

मंदसौर में गोलीकांड पर भड़के कृषि मंत्री- कांग्रेस पर हमले के बाद आम आदमी पार्टी के संजय सिंह के साथ विधायक रणदीप सिंह सुरजेवाला और दिग्विजय सिंह ने जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। वहीं सुरजवाला ने जैसे ही जब मंदसौर में पुलिस गोलीबारी की याद दिलाई शिवराज सिंह भड़क गए। चौहान ने जवाब देते हुए कहा, मैंने चेतावनी दी है कि मुझ पर प्रहार न करें। यदि तुम ऐसा करोगे तो मैं तुम्हें नहीं छोड़ूंगा।÷ इसके बाद उन्होंने कांग्रेस के विभिन्न कार्यकालों के दौरान किसानों की हत्याओं की घटनाएं गिनाईं।

कांग्रेस शासन को याद दिलाया

दिग्विजय सिंह के हाथ खून से सने हैं 24 किसान मारे गए। 1986 में बिहार में कांग्रेस शासन के दौरान पुलिस द्वारा 23 किसानों की हत्या कर दी गई थी। 1988 में दिल्ली में इंदिरा गांधी जी की पुण्य तिथि के अवसर पर दो किसान पुलिस की गोलियों का शिकार हो गये। 1988 में उन्होंने मेरठ में पांच किसानों की हत्या कर दी. अगस्त 1995 में, हरियाणा में छह किसान पुलिस की गोलीबारी में मारे गए, चौहान ने कहा।

विपक्ष ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सदन को बाधित किया और बहिर्गमन किया। कांग्रेस ने जवाब देने के अधिकार की भी मांग की, जिसे अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। नियम 238(2) के तहत जवाब देने का कोई अधिकार नहीं है।चौहान ने कहा, देश के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के लगभग 15 भाषणों में किसान शब्द का कोई उल्लेख नहीं था। विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना, चौहान ने कहा, एक नेता, जो किसानों से मिलने के लिए अपनी यात्रा (मार्च) के दौरान सोनीपत गए थे, उन्हें यह पूछते हुए पाया गया कि उनके साथ कैसे पोज दिया जाए।

भोपाल के सांसद आलोक शर्मा का एक और ऐतिहासिक कदम

भोपाल एम्स में कैंसर डिपार्टमेंट के अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 200 बेड वाले सेंटर और 20 बेड वाले आईसी सेंटर को स्थापित करने को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने भारत सरकार के स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं रसायनिक एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और उन्हें पत्र सौंपा। इससे देशभर के केंसर रोगियों को लाभ मिलेगा।

टिकट के कारण नहीं छूटेगी आपकी ट्रेन, करें इस ऐप का उपयोग

यूटीएस मोबाइल ऐप का उपयोग कर बिना लाइन में खड़े थोड़ी से देर में यात्री अपने मोबाइल फोन से अनारक्षित यात्रा टिकट, प्लेटफार्म टिकट तथा मासिक सीजन टिकट बुक/नवीनीकरण कर सकते हैं। भोपाल मण्डल में यात्रियों के बीच यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप खूब प्रचलित हो रहा है। भोपाल रेल मंडल में जुलाई (01 जुलाई से 31 जुलाई 2024 तक) में 1 लाख 67 हजार 261 यात्रियों ने इस मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने टिकट बुक किए इससे रेलवे को 30 लाख 63 हजार 490 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देना उद्देश्य- वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक सौरभ कटारिया ने बिना रिजर्वेशन टिकट से यात्रा करने वाले यात्रियों से अपील की है कि वे मोबाइल टिकटिंग ऐप पर यूटीएस के उपयोग को बढ़ावा दें और उपयोग से होने वाले लाभ का फायदा उठाएं। कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन अनारक्षित रेल टिकट बुकिंग के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप (ञ्जस्ह्ठ रूशड्ढद्बद्यद्ग श्चश्च) की सुविधा उपलब्ध है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप शुरू करने का उद्देश्य डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करना, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि यात्री लाइन की परेशानी का सामना किए बिना टिकट खरीद सकें।

ऐसे करें रजिस्ट्रेशन- वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक सौरभ कटारिया ने बताया कि यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के बाद यूजर को मोबाइल नंबर, नाम और जन्मतिथि दर्ज करना होगा। इसके बाद यूजर के मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा। जिसे दर्ज करने के बाद रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। इसके बाद आईडी और पासवर्ड रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आ जाएगा। इससे यूटीएस पर लॉगइन करके टिकट बुक कर सकते हैं।

मप्र में डेढ़ करोड़ घरों पर तिरंगा फहराएगी भाजपा

वीडी शर्मा बोले- जिला स्तर पर बनेंगी समितियां, 11 अगस्त से तिरंगा यात्रा

भोपाल मध्यप्रदेश भाजपा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर डेढ़ करोड़ घरों पर तिरंगा फहराएगी। इसके लिए 11 अगस्त से तिरंगा यात्रा शुरू की जाएगी। जिला स्तर पर समितियां भी बनाई जाएंगी। यह बात भोपाल में मंगलवार को सुबह 11 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कही। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, मध्यप्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेन्द्र शुक्ल मौजूद रहे।

वीडी शर्मा ने कहा कि प्रदेश में लगभग डेढ़ करोड़ घर हैं। इन घरों में तिरंगा फहराने का काम भाजपा कार्यकर्ता करेंगे। हर घर तिरंगा अभियान के लिए जिला मंडल की अभियान समितियां का गठन किया जाएगा। प्रदेश स्तर पर अभियान की संयोजक राज्यसभा सांसद कविता

पाटीदार हैं। वहीं, सदस्य केशव भदौरिया, मनीषा सिंह, आशुतोष तिवारी और वैभव पवार शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए वार्ड से लेकर पंच स्तर तक जनप्रतिनिधियों से चर्चा की जाएगी।

64,523 बूथों तक तिरंगा पहुंचाएंगे

बैठक में वीडी शर्मा ने कहा कि 64,523 बूथों तक तिरंगा पहुंचाएंगे। 7 अगस्त को जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाएगी। 11, 12 और 13 अगस्त को प्रदेश भर में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि तिरंगे के साथ सेल्फी सोशल मीडिया पर भी अपलोड करें। मंच का संचालन प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने किया।

संसद का सत्र शुरू होने से पहले इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद भवन के बाहर प्रदर्शन किया। वह जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को त्रस्ञ्ज के दायरे से बाहर करने की मांग कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी वित्त मंत्री से यह मांग कर चुके हैं।

राजस्थान में बांध के पानी में बस बही, हिमाचल में 87 सड़कें ब्लॉक

20 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के सभी हिस्सों में मानसून जमकर सक्रिय है। राजस्थान के टोंक में टोरडी सागर डैम ओवरफ्लो होने से मंगलवार (6 अगस्त) सुबह एक बस बांध के तेज बहाव में बह गई। ड्राइवर लापता है। बस में यात्री नहीं थे। जैसलमेर में सोनार फोर्ट की एक दीवार ढह गई। 7 जिलों में आज स्कूल बंद हैं। पिछले 36 घंटे में 11 लोगों की मौत हुई है।

हिमाचल प्रदेश में लैंडस्लाइड और बाढ़ के कारण 87 सड़कें बंद हैं। राज्य में 6,7 और 8 अगस्त को भारी बारिश का अलर्ट है। शिमला के रामपुर के पास समेज गांव में रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन जारी है। 31 जुलाई को कुल्लू, मंडी और शिमला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में 13 लोगों की मौत हुई थी। 40 लोग लापता हैं। आईएमडी ने आज 20 राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में यलो अलर्ट है।

मानसून थीम पर ग्लैमर गर्ल ग्रुप के सदस्यों ने जमकर मचाया धमाल

भोपाल। मानसून थीम पर ग्लैमर गर्ल ग्रुप के सदस्यों ने जमकर मचाया धमाल भोपाल शहर में हरियाली के इस मौसम में जहां बारिश का दौड़ निरंतर जारी है ऐसे में राजधानी के एक्टिव ग्रुप अलग-अलग अंदाज में टाइम को इंजॉय कर रहे हैं शहर के ऐसे ही सक्रिय ग्लैमर ग्रुप की सदस्यों ने रातीबड़ रोड स्थित रिसोर्ट में मानसून थीम पर जमकर धमाल किया ग्रुप की प्रमुख एडमिन निशिता सिंह ने बताया ग्रुप के सभी सदस्य कलरफुल ड्रेस में अपने अलग अंदाज में नजर आए सभी ने अलग-अलग गेम के साथ फिल्मी तराना पर डांस किया और मौसमी फूड का आनंद लिया कार्यक्रम की होस्ट प्रतिभा यादव ने सभी ग्रुप के सदस्यों का स्वागत किया इस अवसर पर एडमिन निशिता सिंह रेनू यादव पलक मालवीय तोशीबा कोहली खरे मोनिका यादव वंशिका तलरेजा अमिता श्रीवास्तव गरिमा अग्रवाल प्रतिभा यादव कल्याणी अंशु पलक आहूजा आराधना श्रीवास्तव आदि मौजूद थीं।

कावड़ यात्रा का किया स्वागत

भोपाल। सुंदरकांड समिति गोरा गांव वार्ड क्रमांक 26 दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र भोपाल आवली घाट से गोरा गांव विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। पनघट परिसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता एवं कैपिटल परिवार के साथ उपस्थित होकर भव्य स्वागत फलाहार वितरण किया । इस अवसर पर कैपिटल ग्रुप डायरेक्टर गोविंद कहारे सभी श्रद्धालुओं का फूल बरसा कर स्वागत किया।

तीन दिवसीय सावन मेले का समापन

भोपाल। महाराणा प्रताप सांस्कृतिक भवन चार इमली में संयुक्त मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के सौजन्य से उड़ान एजुकेशन एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा दिनांक 2,3,4 अगस्त 2024 को आयोजित तीन दिवसीय सावन मेले का समापन संपन्न हुआ । जिसमें भोपाल के साथ भारत के विभिन्न प्रांतों,नागपुर, भागलपुर,चंदेरी,उड़ीसा,होशंगाबाद, आष्टा बनारस से व्यापारियों ने स्टॉल्स लगाई जिनमे चंदेरी,दाबू बाघ,अजरक और बनारसी साड़ियां ड्रेस मैटेरियल ड्रेसेज पर्स ,ज्वैलरी, राखी,कृष्ण जी की आकर्षक ड्रेसेज, ऊन के डेकोरेटिव आईने,घड़ियां, और व्यंजनों की लगभग 80 स्टॉल्स लगाई गई,मेले का उद्देश्य हमेशा से घरेलू और छोटे व्यवसायियों के उत्पाद बेचने हेतु एक प्लेटफार्म प्रदान करना का रहा है ताकि उन्हें आजीविका के साथ साथ पहचान भी मिले । इस अवसर पर संयुक्त मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो टीम से प्रदेश अध्यक्ष एस पी सिंह,प्रदेश कॉर्डिनेटर भारती जैन जिला अध्यक्ष संतोष मसीह,मेडिकल जिला अध्यक्ष डॉक्टर विवेक शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

मानसरोवर धाम में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

भोपाल। मानसरोवर धाम में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया गया और बड़े धूमधाम से शिवलिंग का पूजन अभिषेक किया गया

चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर मंगल प्रवचन

भोपाल। आचार्य विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समय सागर महाराज की शिष्या ज्येष्ठ श्रेष्ठ आर्यिका गुरूमति माता एवं आर्यिका दृढमति माता की संघस्थ आर्यिका अकलंकमति माता एवं आर्यिका सिद्धमति माता का मंगल ज्ञान विद्या समय अमृत वर्षायोग चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अयोध्या नगर भोपाल में हो रहा है। मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम अयोध्या नगर जैन मंदिर में स्थित आचार्य विद्यासागर सभागार में हुआ। चातुर्मास की स्थापना हेतु जयपुर शहर में निर्मित सुंदर सुंदर कलश भोपाल आये है। आर्यिका माँ सिद्धमति माता जी ने अपने प्रवचन में कलश स्थापना की महिमा बताई , जो भाग्यशाली परिवार कलश स्थापना करता है , उसकी कई पीढ़ियो तक को उसका पुण्य प्राप्त होता है।

नागेश्वरी अम्मन का विशेष पूजन, अभिषेक कर किया भगवान का विशेष श्रंगार किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्री नागेश्वरी माता मंदिर गोविंदपुरा (तमिल संगम द्वारा संचालित) आड़ी माह (तमिल)में नागेश्वरी अम्मन का विशेष महीना होता है इस महीने में नागेश्वरी अम्मन का विशेष पूजा अर्चना, अभिषेक, भजन कीर्तन, एवं भगवान का विशेष श्रंगार किया जाता है इस कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में तमिल समाज के महिला पुरुष बच्चे सभी सम्मिलित होते हैं वह कार्यक्रम के उपरांत भंडारा किया जाता है इस कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित लोगों को आमंत्रित किया जाता है पूरे मंदिर प्रांगण को सजाया जाता है इसमें डी एस मुर्ति, श्री मुरली, एम रवि पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष भेल कॉलेज, श्रीमती मुनियम्माल, श्रीमती शारदा, श्रीमती पुनीता, श्रीमती नवशक्ति, श्रीमती एम सेल्वी, श्रीमती वीरताम्भू, श्रीमती मंजू, श्रीमती ज्योति, श्रीमती सुधा, श्रीमती संगीता, श्रीमती सुगंधी, श्रीमती गांधी, श्रीमती कस्तूरी, श्रीमती धनाकुडी आदि मौजूद रहे।

निगम अध्यक्ष ने लिया निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का जायजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का जायजा लिया और भवन के शेष सभी कार्यों को मानकस्तर की गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने, मुख्यालय भवन में परिषद सभाकक्ष निर्माण हेतु विचार विमर्श कर योजना को मूर्तरूप देने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता, प्रभारी कार्यपालन यंत्री प्रमोद मालवीय, आर्किटेक्ट मनोज शर्मा सहित निगम के अन्य अधिकारी व निर्माण कार्य से संलग्न एजेंसी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सोमवार को तुलसी नगर सेकेण्ड स्टाप के पास निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन के कार्यों का जायजा लिया। अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने निर्माणाधीन मुख्यालय भवन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और मुख्यालय भवन के अंदर एवं बाहर तथा सभी तलों पर जाकर कार्यों का अवलोकन किया। अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने निगम के पदाधिकारियों, अधिकारियों / कर्मचारियों, आगन्तुकों के बैठने व विभिन्न विभागों के कक्षों आदि की भी जानकारी प्राप्त की। निगम अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने निगम मुख्यालय भवन के कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी कार्यों को मानकस्तर की गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री सूर्यवंशी ने आम नागरिकों के लिए सहायता डेस्क विकसित करने, शुद्ध पेयजल, केन्टीन एवं पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। श्री सूर्यवंशी ने निर्देशित किया कि मुख्यालय भवन में परिषद के सभाकक्ष निर्माण पर भी विचार विमर्श करते हुए योजना को मूर्तरूप देने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में सफल वर्चुअल कैंपस ड्राइव आयोजित

संत हिरदाराम नगर

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल और इंट्रांज इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधन में बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव के पद के लिए सफल वर्चुअल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कैंपस ड्राइव का उद्देश्य छात्राओं को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और रोजगार के उचित अवसर प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस पद की चयन प्रक्रिया में समूह चर्चा के बाद व्यक्तिगत साक्षात्कार सम्मिलित थे। इस केंपस ड्राइव में महाविद्यालय की स्नातक 31 छात्राओं ने सहभागिता की जिसमे से 9 छात्राओं राशी कछेरिया, बी.एससी. तृतीय वर्ष, माही सराफ, बीसीए तृतीय वर्ष, स्वाति शुक्ला, बी.एससी. तृतीय वर्ष, साक्षी राय, बी.कॉम. तृतीय वर्ष, हिमांद्री सोनी, बी.बी.ए. तृतीय वर्ष, शिवांशी मालवीय, बी.एससी. तृतीय वर्ष, कशिश सोनी, बी.सी.ए. तृतीय वर्ष, सिमरन दरयानी, बी.कॉम. तृतीय वर्ष, जाह्नवी साहिबानी, बी.बी.ए. तृतीय वर्ष को इस पद के लिए चुना गया। इस अवसर पर इंट्रांज इनोवेषन प्राइवेट लिमिटेड ने चयनित छात्रों को बधाई दी। इस केंपस ड्राइव की सफलता पर प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अपने करियर में सफल होने के अवसर प्रदान करने के लिए महाविद्यालय प्रतिबद्ध है। छात्राओं के भविष्य के लिए महाविद्यालय इस प्रकार के अयोजन निरंतर करता रहेगा।

सागर में हुई घटना के बाद भोपाल कलेक्टर ने स्कूलों की जांच के आदेश दिए

भोपाल । सागर में हाल ही में हुई घटना के बाद भोपाल के कलेक्टर ने राजधानी के सभी स्कूलों की जांच के निर्देश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत, उन स्कूलों की विशेष निगरानी की जाएगी जिनकी बिल्डिंग की स्थिति जर्जर है। ऐसे स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों को सुरक्षित स्थान पर अन्य स्कूलों में शिफ्ट किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और स्कूलों की बिल्डिंग की स्थिति में सुधार लाना है। कलेक्टर के आदेश से शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रदेश में लागू हो सकता है बॉयोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम, नोटिफिकेशन जारी

भोपाल । प्रदेश सरकार ने बॉयोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम को लागू करने के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह नया सिस्टम सरकारी दफ्तरों, स्कूलों और कॉलेजों में कर्मचारियों की उपस्थिति को ट्रैक करेगा। नए अटेंडेंस सिस्टम से कर्मचारियों की उपस्थिति की सटीक निगरानी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे समय की पाबंदी और कार्यक्षमता में सुधार की उम्मीद है। इस पहल का उद्देश्य सरकारी कार्यस्थलों पर अधिक पारदर्शिता और अनुशासन लाना है।

तकनीकी शिक्षक संघ ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि में सांकेतिक धरना देकर सौंपा मांग को लेकर ज्ञापन

भोपाल। तकनीकी शिक्षक संघ ने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आधे घंटे का सांकेतिक धरना दिया एवं कुलसचिव एवं कुलपति को दो सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। तकनीकी शिक्षक संघ ने राज्यपाल के नाम एक पत्र लिखा है जिसमें विश्वविद्यालय के कंट्रोलर फाइनेंस की नियुक्ति शीघ्र करने की मांग की गई ,इस पत्र में संघ के अध्यक्ष उदय चौरसिया ने बताया की राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में अक्टूबर 2023 से वित्तीय नियंत्रक के पद पर शासन स्तर पर नियुक्त करने की कार्रवाई लंबित है। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वित्त नियंत्रक के न होने से विभिन्न प्रकार की परेशानियां सामने आ रही है जिसमें राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के स्थापना के समय से ही विश्वविद्यालय का वित्त विभाग में तात्कालिक व्यवस्था से संचालित की जा रही है, विश्वविद्यालय की वित्तीय विभाग में कोई भी जवाब दे अधिकारी एवं कर्मचारी जो फाइनेंस से संबंधित जानकारी रखता हो ऐसा नहीं है, यहां पर पूर्णता तात्कालिक व्यवस्था है। अभी के हाल की व्यवस्था में विश्वविद्यालय के 4 शिक्षकों को यह दायित्व दिया गया है, वह कहीं से भी न्याय उचित प्रतीत नहीं होता क्योंकि जिन शिक्षकों को पढ़ाई करवाने का दायित्व है उन्हें अपना अधिकतम समय वित्त के कार्य में देना पड़ता है आदि शामिल है।

आईएएस पी नरहरि द्वारा लिखित पानी पानी गीत एवं राम का राज्याभिषेक पुस्तक का विमोचन

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक गरिमामयी समारोह के दौरान आईएएस पी नरहरि द्वारा लिखित गीत पानी पानी और नरहरि एवं मोटिवेशनल स्पीकर राकेश चंद्रा द्वारा लिखित पुस्तक राम का राज्याभिषेक का विमोचन प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके द्वारा किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरहरि ने बताया कि इस पुस्तक को लिखने में उन्हें लगभग एक वर्ष का समय लगा। उन्होंने कहा, आज का यह कार्यक्रम छोटा जरूर है, लेकिन इसका संदेश बहुत गहरा है।

विभागीय गतिविधियों को आगे बढ़ाने में गीत-संगीत का महत्वपूर्ण योगदान है। इंदौर का स्वच्छता अभियान इसका एक उदाहरण है, जहां हो हल्ला गीत ने लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया और आज इंदौर लगातार सात बार स्वच्छता में नंबर वन है। पानी पानी गीत के माध्यम से हम जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक कर सकते हैं। महागाथा प्रोडक्शन के प्रमुख ऋषिकेष पांडेय और आकांक्षा दुबे इस पुस्तक के संपादक हैं, जबकि पानी पानी गीत के म्यूजिक डायरेक्टर भी ऋषिकेष पांडेय हैं। पांडेय ने बताया कि जल ही जीवन है और जीवन ही धर्म है की परिकल्पना को आत्मसात करते हुए, उन्होंने श्री पी नरहरि के मार्गदर्शन में जल संरक्षण की दिशा में जल जीवन उत्सव कैंपेन को वर्षों तक सतत रूप से चलाने का निश्चय किया है। इसके अतिरिक्त, राम का राज्याभिषेक पुस्तक आमजन को भगवान राम के जीवन और उनके व्यक्तित्व को सरलता से समझाने में मदद करेगी। महागाथा प्रोडक्शन के बैनर तले सितंबर माह में इस पुस्तक पर आधारित फिल्म की शूटिंग ओरछा में शुरू होगी, जिसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर भरत चौधरी प्रोड्यूस कर रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आदि गीतों के म्यूजिक डायरेक्टर ऋषिकेश पांडेय ने तेलुगु फिल्म अहिंसा में भी को-प्रोड्यूसर और म्यूजिक प्रोड्यूसर के रूप में काम किया है।

एआई के आने से काम आसान होगा : प्रो . मृणाल चटर्जी

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईआईएमसी नई दिल्ली के प्रोफेसर मृणाल चटर्जी ने %क्रेडिबिलिटी एंड फ्यूचरिस्टिक पर्सपेक्टिव ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया% विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रोफेसर (डॉ.) मोनिका वर्मा, विभागाध्यक्ष, ने प्रो. चटर्जी का शॉल, तुलसी का पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। प्रोफेसर चटर्जी ने अपने व्याख्यान में कहा कि टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है, इसलिए विद्यार्थियों को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि मीडिया के क्षेत्र में गहन ज्ञान के साथ खुले विचारों का होना आवश्यक है। प्रोफेसर चटर्जी ने भविष्य में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के आगमन से काम आसान होने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के क्षेत्र में एआई का प्रयोग बढ़ रहा है, इसलिए पत्रकारिता में रचनात्मकता और नवीनता बनाए रखना जरूरी है।

विभागाध्यक्ष प्रो. मोनिका वर्मा ने सभी नवीन विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन में रहते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। प्रो. वर्मा ने कहा कि यहां विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व का निर्माण करने का अवसर मिलेगा और अपने कौशल को बढ़ाने का भी। उन्होंने बताया कि विभाग में एमसीयू दर्शन टीवी स्टूडियो है, जहां प्रायोगिक रूप से एंकरिंग, एडिटिंग और रिपोर्टिंग सीखी जा सकती है। कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक राहुल खड़िया, मुकेश चौरासे, प्रोड्यूसर डॉ. रामदीन त्यागी, डॉ. मनोज पटेल, ट्यूटर आलोक अस्थाना, वरिष्ठ प्रोडक्शन सहायक प्रियंका सोनकर एवं अतिथि शिक्षक डॉ. अरुण पाटिलकर, सुमित श्रीवास्तव, आनंद जौनवार, जगमोहन सिंह राठौर, सौरभ सक्सेना, चंद्रमोहन गुर्जर, कार्यालय प्रभारी दीपक गुटैल, सुरेश झा आदि उपस्थित थे। संचालन वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. अरुण खोबरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन प्रोड्यूसर डॉ. रामदीन त्यागी ने किया।

मिआ बाए तनिष्क ने शुरू किया है अपना नया कैम्पेन

मुंबई। भारत के सबसे ट्रेंडी प्रेशियस फाइन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, मिआ बाए तनिष्क ने शुरू किया है अपना नया कैम्पेन - देखना है तो खेल देखो अतुलनीय प्रतिभा की मिसाल, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, विश्व की नंबर 1 महिला पैरा आर्चर शीतल देवी के बेजोड़ कौशल, अटूट जज़्बा और खेल के प्रति लगाव को इस प्रेरणादायी कैम्पेन में सलाम किया गया है। शीतल देवी के शक्तिशाली दृष्टिकोण को दिखाते हुए मिआ इस कैम्पेन के ज़रिए हर व्यक्ति को प्रोत्साहित कर रहा है अपनी क्षमताओं को पहचानने, अपने पैशन को गर्व के साथ आगे बढ़ाने और अपनी शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए, मिआ ब्रांड इस कैम्पेन में आपसे कह रहा है, अपने भीतर के स्टार को चमकने दें। मिआ ने अपनी ब्रांड संस्कृति के अनुरूप अपने कैम्पेन में हमेशा रूढ़िमुक्त और असली महिलाओं की अलग-अलग कहानियों को बयां किया है। एथलिट्स, मॉम-ब्लॉगर, बॉडी-पॉजिटिविटी इंफ्ल्युएंसर्स, पूरे जेंडर स्पेक्ट्रम के लोग, डाउन सिंड्रोम वाले और ऐसे कइयों की कहानियां मिआ के कैम्पेन में देखी गयी हैं। उनके सबसे नए कैम्पेन में शीतल देवी रेखांकित कर रही है।

शासन द्वारा गेहूँ के लिए दी जा रही बोनस राशि में धान भी होगा शामिल

मुख्यमंत्री बालाघाट में आभार सह उपहार कार्यक्रम में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत त्यौहारों की संस्कृति वाला देश है। यहाँ हर एक त्यौहार मनाने के पीछे कोई न कोई मूल भावना होती है। इन त्यौहारों में परस्पर भाईचारा, प्रेम और रिश्तों को निभाने वाले संस्कार समाहित होते हैं। वर्ष के 12 महीनों में एक मास श्रावण ही ऐसा है जिसका इंतजार सभी को रहता है। इस समय बादलों के घुमड़ने के साथ ही पेड़ों पर झूलों की बहारे नजर आने लगती है। ऐसे में रक्षाबंधन का त्यौहार आता है। आज मैं अपनी लाड़ली बहनों के बीच रक्षाबंधन का उत्सव मनाकर धन्य हो गया हूँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रावण के पवित्र सोमवार को बालाघाट के इतवारी गंज जैविक कृषि मंडी में आयोजित लाड़ली बहनों के लिये समर्पित आभार सह उपहार कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति यह सिखाती है कि जीवन में स्नेह का पहला हक माता-पिता का होता है। इनके बाद यह हक बहनों को मिला है जो अपने भाई से प्रेम करती है। मुझे 1 अगस्त से प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर अपनी बहनों का अपार स्नेह प्राप्त हो रहा है। भारी बारिश के बीच जबलपुर से बालाघाट मार्ग में आते समय जिस उत्सुकता से बहनों ने मेरा इंतजार किया है। वह इसी स्नेह का प्रतीक है। मेरी बहनें रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से मना सके इसके लिये 10 अगस्त को लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रुपये और रक्षाबंधन के शगुन/उपहार रूप में पर 250 रुपये की राशि सिंगल क्लिक से बहनों के खाते में अंतरित की जायेगी। रक्षाबंधन पर जब बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर राखी बांधेगी तो उनका यह आशीर्वाद मुझे अपने आप ही मिल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी बहनें मिलने वाली राशि का सदुपयोग और प्रबंधन करना बखूबी जानती है। बालाघाट जिले की बहनों को 10 अगस्त को 08 करोड़ 92 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। हमारी सरकार द्वारा जून 2023 से अगस्त 2024 तक हर माह 3 लाख 56 हजार बहनों को 500 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना में अब गैस सिलेण्डर 450 रुपये में देने का कार्य भी सरकार कर रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में स्व सहायता समूहों, एमएसएमई के माध्यम से उद्योगो से जोड़ने की दिशा में सरकार ने पहल की है।

एमपी बोर्ड की हाई स्कूल परीक्षा 27 फरवरी, हायर सेकेंडरी की परीक्षा 25 फरवरी से

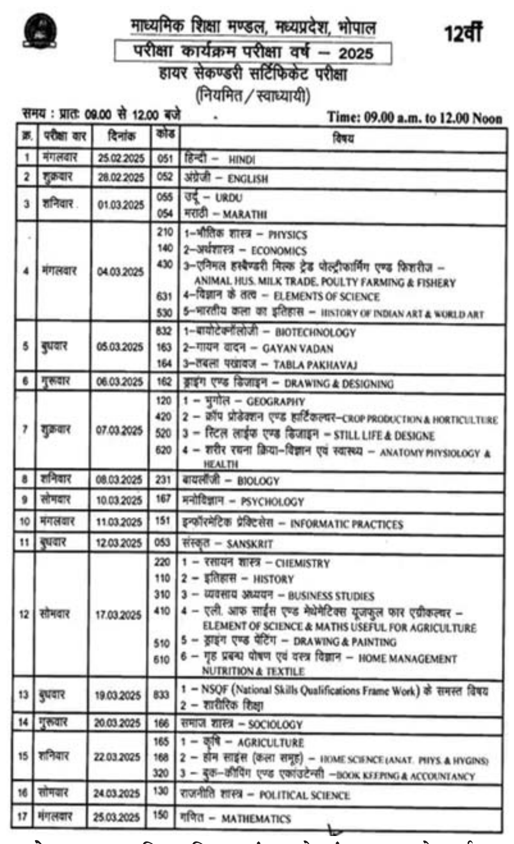

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 12वीं

परीक्षा कार्यक्रम परीक्षा वर्ष – 2025

हायर सेकण्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा

(नियमित/स्वाध्यायी)

समय : प्रातः 09.00 से 12.00 बजे Time: 09.00 a.m. to 12.00 Noon

क्र.	परीक्षा वार	दिनांक	कोड	विषय
1	मंगलवार	25.02.2025	051	हिन्दी – HINDI
2	शुक्रवार	28.02.2025	052	अंग्रेजी – ENGLISH
3	शनिवार	01.03.2025	055 054	उर्दू – URDU मराठी – MARATHI
4	मंगलवार	04.03.2025	210 140 430 631 530	1–भौतिक शास्त्र – PHYSICS 2–अर्थशास्त्र – ECONOMICS 3–एनिमल हसबेण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एण्ड फिशरीज – ANIMAL HUS. MILK TRADE. POULTY FARMING & FISHERY 4–विज्ञान के तत्व – ELEMENTS OF SCIENCE 5–भारतीय कला का इतिहास – HISTORY OF INDIAN ART & WORLD ART
5	बुधवार	05.03.2025	832 163 164	1–बायोटेक्नॉलोजी – BIOTECHNOLOGY 2–गायन वादन – GAYAN VADAN 3–तबला पखावज – TABLA PAKHAVAJ
6	गुरूवार	06.03.2025	162	ड्राइंग एण्ड डिजाइन – DRAWING & DESIGNING
7	शुक्रवार	07.03.2025	120 420 520 620	1 – भुगोल – GEOGRAPHY 2 – क्रॉप प्रोडेक्शन एण्ड हार्टिकल्चर–CROP PRODUCTION & HORTICULTURE 3 – स्टिल लाईफ एण्ड डिजाइन – STILL LIFE & DESIGNE 4 – शरीर रचना क्रिया–विज्ञान एवं स्वास्थ्य – ANATOMY PHYSIOLOGY & HEALTH
8	शनिवार	08.03.2025	231	बायलॉजी – BIOLOGY
9	सोमवार	10.03.2025	167	मनोविज्ञान – PSYCHOLOGY
10	मंगलवार	11.03.2025	151	इन्फॉरमेटिक प्रेक्टिसेस – INFORMATIC PRACTICES
11	बुधवार	12.03.2025	053	संस्कृत – SANSKRIT
12	सोमवार	17.03.2025	220 110 310 410 510 610	1 – रसायन शास्त्र – CHEMISTRY 2 – इतिहास – HISTORY 3 – व्यवसाय अध्ययन – BUSINESS STUDIES 4 – एली. आफ साईस एण्ड मैथेमेटिक्स यूजफुल फार एग्रीकल्चर – ELEMENT OF SCIENCE & MATHS USEFUL FOR AGRICULTURE 5 – ड्राइंग एण्ड पेंटिंग – DRAWING & PAINTING 6 – गृह प्रबन्ध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान – HOME MANAGEMENT NUTRITION & TEXTILE
13	बुधवार	19.03.2025	833	1 – NSQF (National Skills Qualifications Frame Work) के समस्त विषय 2 – शारीरिक शिक्षा
14	गुरूवार	20.03.2025	166	समाज शास्त्र – SOCIOLOGY
15	शनिवार	22.03.2025	165 168 320	1 – कृषि – AGRICULTURE 2 – होम साइंस (कला समूह) – HOME SCIENCE (ANAT. PHYS. & HYGINS) 3 – बुक–कीपिंग एण्ड एकांउटेन्सी – BOOK KEEPING & ACCOUNTANCY
16	सोमवार	24.03.2025	130	राजनीति शास्त्र – POLITICAL SCIENCE
17	मंगलवार	25.03.2025	150	गणित – MATHEMATICS

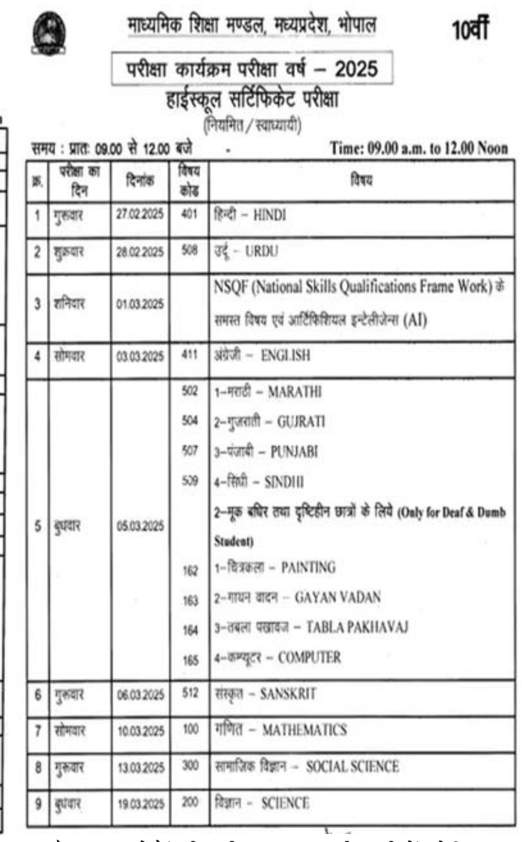

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 10वीं

परीक्षा कार्यक्रम परीक्षा वर्ष – 2025

हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

(नियमित/स्वाध्यायी)

समय : प्रातः 09.00 से 12.00 बजे Time: 09.00 a.m. to 12.00 Noon

क्र.	परीक्षा का दिन	दिनांक	विषय कोड	विषय
1	गुरूवार	27.02.2025	401	हिन्दी – HINDI
2	शुक्रवार	28.02.2025	508	उर्दू – URDU
3	शनिवार	01.03.2025		NSQF (National Skills Qualifications Frame Work) के समस्त विषय एवं आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स (AI)
4	सोमवार	03.03.2025	411	अंग्रेजी – ENGLISH
5	बुधवार	05.03.2025	502 504 507 509 162 163 164 165	1–मराठी – MARATHI 2–गुजराती – GUJRATI 3–पंजाबी – PUNJABI 4–सिंधी – SINDHI 2–मूक बधिर तथा दृष्टिहीन छात्रों के लिये (Only for Deaf & Dumb Student) 1–चित्रकला – PAINTING 2–गायन वादन – GAYAN VADAN 3–तबला पखावज – TABLA PAKHAVAJ 4–कम्प्यूटर – COMPUTER
6	गुरूवार	06.03.2025	512	संस्कृत – SANSKRIT
7	सोमवार	10.03.2025	100	गणित – MATHEMATICS
8	गुरूवार	13.03.2025	300	सामाजिक विज्ञान – SOCIAL SCIENCE
9	बुधवार	19.03.2025	200	विज्ञान – SCIENCE

भोपाल माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मंगलवार को हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 की तारीखें घोषित कर दी हैं। हाई स्कूल की परीक्षा 27 फरवरी को शुरू होकर 19 मार्च को खत्म होगी। वहीं, हायर सेकेंडरी परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होगी और 25 मार्च को खत्म होगी।

जलाशयों की प्रतिदिन जल भराव की सतत निगरानी की जाएं: सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के विभिन्न लघु, मध्यम और बड़े जलाशयों की प्रतिदिन जल भराव की सतत निगरानी, जल स्तर एवं जल भराव क्षमता प्रतिदिन विभागीय बेवसाइट में दर्ज की जावे एवं इसकी सूचना विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों एवं जिला प्रशासन को दी जाए।

जल संसाधन मंत्री सिलावट द्वारा जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता, बोधी कार्यालय, कोलार रोड भोपाल स्थित विभागीय राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का निरीक्षण कर वर्तमान मानसून सीजन में विभागान्तर्गत निर्मित बांधों में जल भराव एवं इनसे संबंधित गेटों के ऑपरेशन से संबंधित जानकारी विभागीय अधिकारियों से ली गई। वर्तमान मानसून सीजन में अभी तक 621 एम.एम. वर्षा दर्ज की जा चुकी है जो कि गत वर्ष से 22 प्रतिशत अधिक है। पूर्वी मध्य प्रदेश में लगभग 19 प्रतिशत अधिक एवं पश्चिमी मध्यप्रदेश में लगभग 26 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी मध्यप्रदेश में सबसे अधिक वर्षा सिवनी जिले में एवं पश्चिमी मध्यप्रदेश में श्योपुर जिले में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई है। प्रदेश में कोई भी जिला वर्तमान में सूखाग्रस्त नहीं है, सबसे कम वर्षा रीवा जिले में दर्ज की गई है। वर्तमान में विभाग अंतर्गत 54 अति महत्वपूर्ण श्रेणी के बांधों की समीक्षा में पाया गया कि लगभग सभी बांध 75 प्रतिशत तक भर चुके हैं, जो कि वर्तमान स्थिति में विभागीय मापदण्ड अनुसार संतोषजनक है। अभी आधा वर्षा काल का समय शेष है। वर्तमान में बाण सागर लगभग 53 प्रतिशत, बारना 82 प्रतिशत, गांधी सागर 67 प्रतिशत, कोलार 78 प्रतिशत, महान 54 प्रतिशत, राजघाट 80 प्रतिशत अथवा तवा 82 प्रतिशत भर चुका है। इसके अतिरिक्त वर्तमान में 19 बांधों के जल द्वारों से पानी की अतिरिक्त जल की निकासी की पूर्णतः सुरक्षित विभागीय मापदण्डों के अनुसार की जा रही है। सर्वाधिक बरगी बांध में कुल 21 गेटों में से 17 गेटों से जल की निकासी की जा रही है।

82-83 बैच पुलिस अधिकारियों का मित्र मिलन समारोह हुआ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वर्ष 82-83 बैच के पुलिस अधिकारियों का मित्र मिलन समारोह ऑफिसर मैस में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बैच के सदस्य व उनके परिवार के सदस्य का देवलोक हो गया है उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उसके उपरांत बेच के नागेंद्र पटेरिया एवं अजीत पटेल जो हाल ही में सेवानिवृत्ति हुए उनका सम्मान शाल श्रीफल से किया गया। सभी साथियों एवं साथ में आए हुए परिवार जनों का परिचय हुआ तथा एक दूसरे को गुलदस्ता देकर मित्र मिलन कार्यक्रम हुआ। तदुपरांत गाने भजनों का लुफ्त उठाते हुए सभी ने स्वादिष्ट भोजन किया। कार्यक्रम की सभी उपस्थित लोगों ने प्रशंसा की एवं इसी प्रकार कार्यक्रम करते रहने का प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम मेंएस के पंथी, विपिन तिवारी, पी एल राज, सुरेश चौधरी, नेपाल सिंह दामले, उमेश शुक्ला, एन के नाहर, हनुमत सिंह राजपूत, आर एस राज, देवेंद्र सैनी, गुलाब सिंह राजपूत, आर एस शुक्ला, रामनरेश तोमर, नागेंद्र पटेरिया, महेंद्र जैन, अजीत पटेल, शंकर सिंह पटेल, सानू आफताब अली, सतीश महल वाला, जाहर सिंह, ओ एस चंदेल, एम आर खान, वीरेंद्र सिंह गुर्जर, आरआर बंसल, उमाशंकर तिवारी, नवीन अवस्थी, भानु पाठक, अशोक पांडे, कुबेर सिंह राजपूत, जय राम रघुवंशी, विजय सिंह,जितेंद्र कुशवाहा, राकेश जैन, हेमपाल सिंघई, अशोक तिवारी आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन होगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि के अवसर पर 21 अगस्त को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। जनभागीदारी समिति ने आगामी नैक मूल्यांकन के मद्देनजर बेहतर अकादमिक वातावरण और अधोसंरचना विकास के लिए प्रतिबद्धता जताई है, और इस हेतु कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (ष्टस्क्र) फंड से सहयोग लेने के प्रयास किए जाएंगे। महाविद्यालय परिसर में विद्यावन और भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ का उन्नयन किया जाएगा। यह निर्णय जनभागीदारी समिति की सामान्य परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री बारेलाल अहिरवार ने की।

शिक्षक सम्मान समारोह में हुए स्कूल शिक्षा मंत्री शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि भारत में गुरू-शिष्य की गौरवशाली प्राचीन परम्परा रही है। इसी का अनुसरण कर हम सही मायनों में शिक्षा के क्षेत्र में विकास कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ शिक्षक समाज को हमेशा प्रेरित करता रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह भोपाल के एक निजी टीव्ही चैनल के शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर उत्कृष्ठ संस्था, उत्कृष्ठ शिक्षक, शिक्षा प्रकाश पुत्र और स्व. श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन उत्कृष्ठ शिक्षक सम्मान से श्रेष्ठ कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित किया।स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि शिक्षक यदि निष्ठावान और समर्पण के भाव से कार्य करता है तो वह देश के अच्छे भविष्य के निर्माण में ठोस सहयोग करता है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक तब संतुष्ट होता है जब उसके विद्यार्थी श्रेष्ठ स्थान पर पहुँचते है। उन्होंने शिक्षकों के निष्पक्ष रहने की जरूरत पर जोर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत के स्व. श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन और स्व. डॉ. अब्दुल कलाम आजाद जैसे दो प्रसिद्ध शिक्षाविदों ने राष्ट्रपति के रूप में देश का नेतृत्व किया और देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बगैर मनुष्य का जीवन अधूरा है। इस वजह से शिक्षकों का समाज में अमूल्य योगदान है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने सम्मानित होने वाले शिक्षकों और शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि सम्मानित होने वाले व्यक्तियों से समाज को प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम के बारे में सीनियर एक्जीक्यूटिव एडिटर श्री मनीष गुप्ता, एडिटर इन चीफ श्री प्रकाश भटनागर और संस्था के चेयरमेन ओपी कृपलानी ने समारोह को संबोधित किया।

निगम मंडलों में मृतक कर्मचारी परिवार को तत्काल अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग

भोपाल। सेमी गवर्नमेंट एम्प्लाइज फेडरेशन एवं अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी सार्वजनिक उपक्रम संघ ने मृतक कर्मचारियों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर कड़ा विरोध जताया है। वरिष्ठ कर्मचारी नेता एवं फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष अनिल बाजपेई और उपक्रम संघ के प्रांताध्यक्ष अरुण वर्मा ने निगम मंडलों, सहकारी संस्थाओं, बोर्ड, परिषद और प्राधिकरणों में मृतक कर्मचारियों के परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की है। बाजपेई और वर्मा ने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिलने से मृतक कर्मचारियों के परिवार दर-दर भटकने और भुखमरी का सामना करने पर मजबूर हैं। यह स्थिति किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि इस मामले को विशेष रूप से संज्ञान में लेकर निगम मंडलों और सहकारी संस्थाओं के प्रबंध संचालकों को निर्देशित करें कि मृतक कर्मचारी के परिवार के एक सदस्य को अनिवार्य रूप से तत्काल अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। फेडरेशन और उपक्रम संघ ने यह भी मांग की है कि अनुकंपा नियुक्ति देने में देरी और लापरवाही करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि मृतक कर्मचारियों के परिवारों को समय पर सहायता मिले और वे अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष न करें। इस मुद्दे पर फेडरेशन और उपक्रम संघ का कड़ा रुख सरकार पर दबाव बनाने का संकेत है ताकि मृतक कर्मचारियों के परिवारों को न्याय और सहायता मिल सके।

एम्स भोपाल में ड्रोन के माध्यम से मरीजों को मिलेंगी दवाईयां

एम्स डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने दो साल की रिपोर्ट पेश की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा हैं। एम्स भोपाल के डायरेक्टर डॉ अजय सिंह ने दो साल की रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल में मरीजों के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एम्स में बेड की संख्या 960 से बढ़कर 1460 हो चुकी है। वहीं एम्स भोपाल देश का पहला ऐसा संस्थान है जहां पर ट्रांसजेंडर के लिए विशेष क्लीनिक खोला गया है। आने वाले समय में एम्स के द्वारा ट्रांसप्लांट के लिए अंगों की सफलतापूर्वक डिलीवरी और दवाओं की डिलीवरी भी ड्रोन के माध्यम से हो सकेगी। निदेशक डॉक्टर अजय सिंह ने बताया कि जल्द ही एम्स में हृदय और फेफड़ों का ट्रांसप्लांट भी शुरू हो जाएगा। इस साल के अंत तक आईवीएफ क्लीनिक भी शुरू करने की तैयारी हैं।

प्रो. सिंह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में हमने अभूतपूर्व प्रग ति की है। यह प्रगति न केवल रोगी देखभाल के क्षेत्र में बल्कि शिक्षा और शोध के क्षेत्र में भी हमने अपना परचम लहराया है। अगर हम मरीजों की बात करें तो दो वर्ष पहले ओपीडी में जहाँ केवल 3 लाख 76 हजार मरीज आते थे वही ये संख्या बढ़कर 10 लाख 50 हजार हो गयी है। मेज़र सर्जरी में 92 प्रतिशत का इजाफा हुआ है जबकि माइनर सर्जरी 300 प्रतिशत बढ़ गई हैं। ट्रॉमा और इमरजेंसी में हमारी नो रिफ्यूजल पॉलिसी के कारण मरीजों में 110 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई जबकि भर्ती होने वाले मरीज 180 प्रतिशत बढ़ गए। आयुषमान योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या में भी 250 प्रतिशत का उछाल आया है।

विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एम्स भोपाल की सेंन्ट्रल लाईब्रेरी में पुस्तकों की हार्डकॉपी और ई-बुक जैसी सुविधा उपलब्ध है जिसमें 800 नए ई-जर्नल जोड़े गए। इन किताबों में हिन्दीं एवं अंग्रेजी में मेडिकल और नॉन मेडिकल किताबें शामिल हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि 2022 में लाईब्रेरी पर 65 लाख सालाना खर्च होता था जो बढ़कर 3.5 करोड़ हो गया। हिंदी की किताबें जो मात्र 1200 हुआ करती थीं अब 11670 हो गई हैं। लाईब्रेरी में स्टूडेंट्स के बैठने की क्षमता 250 से बढ़कर 600 हो गई है। इसके अलावा 2022 में बीएससी नर्सिंग की सीटों की संख्यां 75 थी जो अब बढ़कर 90 हो गई। वहीं पीजी कोर्स में एमडी/एमएस की सीटे 103 से बढ़कर 165, डीएम/एमसीएच की सीटें 30 से 75 तथा पीजी नर्सिंग की सीट 28 से बढकर 42 हो गई हैं। प्रो. सिंह ने बताया कि यूजी-रिसर्च के लिए अनूठी पहल शुरू की गई है। संस्थान के 18 यूजी स्टूडेंट्स ने अलग-अलग नेशनल कांफ्रेंस में भाग लिया तथा 15 यूजी स्टूडेंट्स विदेश में रिसर्च के लिए चयनित हुए। एम्स भोपाल में संचालित स्टूडेंट वेलनेस सेंटर में एक साल में 714 स्टूडेंट्स ने कंसल्ट किया।

एम्स का डॉट्स सेंटर अब बन गया टीबी यूनिट

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल ने विभिन्न मंचों पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश के तत्वावधान में राज्य टीबी सेल द्वारा क्षय रोग के लिए राज्य टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई जिसमें राज्य भर के कुल 27 मेडिकल कॉलेजों ने भाग लिया। जिसमें राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत निर्धारित मापदंडों के आधार पर सभी कॉलेजों की उनके प्रदर्शन के आधार पर समीक्षा की गई। जिसमें एम्स भोपाल एकमात्र ऐसा कॉलेज था, जिसे राज्य टास्क फोर्स द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

एम्स भोपाल डॉट्स सेंटर को अब टीबी केंद्र (टीयू) में अपग्रेड किया गया, जो आसपास के क्षेत्रों की 5 लाख की आबादी की सेवा करता है और टीबी रोगियों को सभी पहलुओं में सेवाएं प्रदान करता है। टीबी केंद्र, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की उप-जिला स्तरीय इकाई है जो अपने क्षेत्र में टीबी निदान, उपचार, रोकथाम, आदि सेवा और कार्यक्रम प्रबंधन करता है। एसटीएफ बैठक में एम्स भोपाल में क्षय रोग प्रबंधन के संबंध में दी जाने वाली सूचना दरों, रिकॉर्ड रखने और प्रयोगशाला

स म्पा द की य

हसीना का पतन...

बांग्लादेश में लगातार 15 साल तक सत्ता में रहीं आयरन लेडी के नाम से मशहूर शेख हसीना को अपने ही देश से भागना पड़ेगा, उनके राजनीतिक कैरियर का ऐसा अंत होगा, उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा। जो सेना उन्हें सैल्यूट करती थी, उसके ही चीफ ने उन्हें देश छोड़ने को कह दिया। आर्मी चीफ वकार-उज-जमान ने उन्हें सिर्फ 45 मिनट का समय दिया। यह इसलिए कि वह अपना सामान चार सूटकेस में बांधें और देश छोड़कर दूर चली जाएं। उन्होंने ऐसा ही किया, या कहें कि उन्हें करना पड़ा।

उनके लिए फिलहाल जो सुरक्षित स्थान था, भारत, वहीं रवाना हो गईं। देश छोड़ने से पहले आखिरी बार वह जनता को संबोधित करना चाहती थीं, लेकिन सेना ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। तख्तापलट हर किसी के लिए हैरानी वाली बात इसलिए रही, क्योंकि पहले भी छात्रों का उग्र प्रदर्शन हुआ था और शेख हसीना की सरकार उससे निपटने में कामयाबी रही। सोमवार को 9 बजे तक सब ठीक था। हजारों प्रदर्शनकारी गाजीपुर बॉर्डर से ढाका में घुसने लगे और स्थिति गंभीर होती चली गई, उसके बाद सेना ने 45 मिनट का समय दिया।

असल में 31 जुलाई को बांग्लादेश में भारत के राजदूत प्रणय वर्मा ने प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की। उस वक्त हसीना ने प्रणय को अपनी जान के खतरे के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि विरोधी ताकतें कैसे पीएम हाउस पर हमला कर उन्हें मारने की प्लानिंग कर रही हैं। इसके बाद प्रणय वर्मा ने ये जानकारी नई दिल्ली के साथ साझा की और शायद तभी उन्होंने अप्रिय स्थिति होने पर भारत जाने का फैसला कर लिया था।

बांग्लादेश में हुई इस उठापठक से पहले ही तीन दिनों के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा करके सेना को स्थिति संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई। आर्मी चीफ वकार-उज-जमान हाल ही में नियुक्त किए गए। वह प्रधानमंत्री के करीबी माने जाते हैं और सूत्र कहते हैं कि उनके नई दिल्ली से भी अच्छे संबंध हैं। और सूत्र ये भी बता रहे हैं कि हसीना ने भारत सरकार से मदद की अपील की थी, लेकिन सरकार इस मामले में सीधे दखल देकर किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहती थी। और इसीलिए विदेश मंत्रालय ने उन्हें भारत आने की सलाह दी।

प्रधानमंत्री के देश छोड़ने के बाद ही सेना प्रमुख ने देश को संबोधित किया। तब तक ढाका की सड़कों पर जीत का जश्न शुरू हो गया। देखा जाए तो बदले हालात को कई लोग आजादी के दिन के तौर पर देख रहे हैं। वे इसे आतंक से मुक्त स्वतंत्रता कह रहे हैं, लेकिन बदले की हिंसा अब भी जारी है। लंबे समय से सत्ता में रहने वाली अवामी लीग जनवरी में लगभग एकतरफा लड़ाई जीतकर फिर से सत्ता में आई। 8 महीने पूरे होने से पहले ही लगभग पूरा देश इसके खिलाफ हो गया।

जिस बंगबंधु की बेटी को बांग्लादेश में विकास का प्रतीक माना जाता था, वो सभी की आंखों का कांटा बन गईं। इस बात को बांग्लादेश को दूर से देखने वाले लोग आसानी से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। असल मेंबांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी के कई नेताओं को हसीना सरकार ने जेल में डाल दिया था। उनके परिवार के लोग भी नहीं बचे थे। बाकी शासकों की तरह शेख हसीना भी विपक्षी दलों की आवाज को दबाने में बहुत आगे बढ़ गई थीं। इसके साथ ही सत्ता के चारों तरफ चाटुकारों की संख्या बहुत बढ़ गई थी। पुलिस बल भी अपने काम के बजाय सरकार को खुश करने में व्यस्त था। उधर, अमेरिका बार-बार बांग्लादेश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों के उल्लंघन पर सवाल उठा रहा था। लेकिन हसीना ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कड़े शब्दों में अपनी संप्रभुता की याद दिलाई। इससे अमेरिका और ब्रिटेन के साथ उनके संबंध खराब हो गए।

चुनाव के समय मुख्य विपक्षी पार्टी ने चुनाव नहीं लड़ा किया, क्योंकि उसे निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद नहीं थी और पता था कि अवामी लीग ही जीतेगी। हुआ भी यही।

पूरे देश में नौकरियों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों के लिए आरक्षण था। बाद में रिजर्वेशन के दायरे में उनकी अगली पीढ़ी को भी शामिल किया गया। महिलाओं के लिए भी रिजर्वेशन की व्यवस्था थी। 2018 में सरकार ने कोटा प्रणाली खत्म कर दी, लेकिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों ने हाईकोर्ट में पिटीशन दायर कर कोटा की मांग की। अदालत का फैसला आने से पहले ही छात्रों का आंदोलन शुरू हो गया। आंदोलन के दौरान ही बांग्लादेश हाईकोर्ट ने कोटा प्रणाली को बरकरार रखते हुए फैसला सुनाया। फैसले के खिलाफ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। चीफ जस्टिस ने 7 अगस्त को फैसले की तारीख तय की, लेकिन छात्र इतने दिन इंतजार करने को तैयार नहीं थे। वे जल्द फैसला चाहते थे।

16 जुलाई से आंदोलन और भी तेज हो गया। सरकार के अनुरोध पर 21 जुलाई को चीफ जस्टिस ओबायदुर हसन ने फैसला सुनाया, '93 प्रतिशत योग्यता, 5 प्रतिशत स्वतंत्रता संग्राम योद्धा कोटा, 1 प्रतिशत आदिवासी समूह और 1 प्रतिशत विकलांगों के लिए आरक्षित रखा जाएगा। आंदोलनकारी छात्रों की जीत हुई, लेकिन तब तक छात्र आंदोलन का नेतृत्व दूसरों के हाथों में चला गया। अवामी लीग और उनकी सरकार का कहना था कि ये आंदोलन जमात ने किया। इतने बड़े स्तर पर हिंसा, पुलिस और सेना को गोली चलाने पर मजबूर करना, चुन-चुनकर अवामी लीग और छात्र लीग के साथ-साथ पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और सेना पर हमले करना। यहां तक कि पत्रकारों को जिस नृशंसता के साथ मारा गया, उसने पूरे बांग्लादेश को हिला कर रख दिया।

सरकार के डर से इतने दिनों से दबे लोग इस बार आंदोलनकारियों के साथ हो गए। हालांकि, बांग्लादेश के कई लोग मानते हैं कि ये नृशंसता साबित करती है कि आंदोलन का नेतृत्व बहुत पहले ही छात्रों के हाथ से निकल गया था। सीधे शब्दों में हसीना विरोधी इसमें शामिल हो गए, क्योंकि यही मौका था, जब हसीना को हटाने के प्रयास सफल होने की उम्मीद कर सकते थे। हुआ भी यही। इसमें दावा तो यह भी किया जा रहा है कि अमेरिका का भी हाथ रहा, लेकिन भारत शेख हसीना के साथ ही रहा।

अभी तो शेख हसीना भारत में हैं, लेकिन वह यहां हमेशा-हमेशा के लिए नहीं रहेंगी। डेली सन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वह तब तक रहेंगी, जब तक उन्हें ब्रिटेन की ओर से शरण नहीं मिल जाती। अभी तक ब्रिटेन की सरकार की ओर से उन्हें शरण देने से जुड़ी पुष्टि नहीं हुई है। कहीं न कहीं हसीना सरकार का पतन लोकतंत्र के नाम पर तानाशाही मढ़ने के खिलाफ उपजे जनाक्रोश का ही नजीता रहा है। ध्यान रखना होगा कि जनता बहुत समय तक तानाशाही स्वीकार नहीं करती।

न्याय से आशा एवं अहसास जगाते चन्द्रचूड़

-ललित गर्ग-

50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड़ की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से जुड़ी इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' लेकिन प्रधान न्यायाधीश के अनुसार लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? दुर्भाग्य से यह प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने त्रस्त करने वाली न्याय प्रक्रिया को लेकर यह भी कहा कि यह स्थिति हम न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है, लेकिन यदि इस समस्या का निदान नहीं होता तो फिर एक कटु सच्चाई बताने का क्या लाभ? जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया है तो न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए।

निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में जहां वे पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं वहीं अपनी बेबाक एवं सुधारमूलक टिप्पणियों से आम जनता की सराहना के पात्र बनते रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी भी चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने स्वीकारा है कि कानून की इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है। उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे-बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है, लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है।

उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। इनमें से अनेक मामले ऐसे हैं, जो दशकों से लंबित हैं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दशकों पुराने कई मामले लंबित हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। न्याय त्वरित गति से होता हुआ भी दिखना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है।

न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश-निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल-सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी। इसके अलावा यह भी आवश्यक है कि सरकारें मुकदमेबाजी से बाज आएं, क्योंकि सबसे बड़ी मुकदमेबाज तो वे खुद हैं। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। जनता समस्याओं का उल्लेख नहीं, बल्कि उनका समाधान चाहती है।

इससे इनकार नहीं कि अपने देश में आबादी के अनुपात में न्यायालयों और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या नहीं है और यह संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजे वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

आरक्षण..आरक्षण..आरक्षण..!

राकेश दुबे

अब इस फ़ैसले के बाद सरकार को एससी-एसटी श्रेणी के बीच 'क्रीमीलेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करने की नीति फ़ौरन तैयार करनी चाहिए।आरक्षण में ही आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है।

मंडल के बाद यह दूसरा ऐतिहासिक फैसला है। 'मील का पत्थर' तभी साबित हो सकता है, जब क्रीमीलेयर वाला फैसला लागू किया जाएगा। आरक्षण में उप-वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया है। यह अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था।

संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था। बहरहाल वह अधिकार यथावत रहेगा, लेकिन एससी और एसटी अपने आरक्षण के कोटे में, दबी-कुचली, पिछड़ी, विपन्न जातियों का, उप-वर्गीकरण कर सकेंगे। फिलहाल दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमशः 15 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी-एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप-वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी-एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है।

यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे? संविधान-निर्माता बाबा अंबेडकर के पौत्र प्रकाश अंबेडकर ने संविधान पीठ के फैसले की आलोचना की है और इसे 'सामाजिक पूर्वाग्रह' करार दिया है। उनकी आशंका है कि दलितों का कोटा कम होने लगेगा। बहरहाल संविधान पीठ ने कहा है कि सरकार को एससी-एसटी श्रेणी के बीच 'क्रीमीलेयर' की पहचान करने और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करने की नीति जरूर तैयार करनी चाहिए। यह अवधारणा भी स्पष्ट होनी चाहिए।

ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण उनकी सालाना आय के आधार पर तय किया जाता है। क्रीमीलेयर की सीमा 8 लाख रुपए सालाना है। यानी करीब 67,000 रुपए महीना। यह वर्ग विपन्न कैसे हो सकता है? दूसरी ओर वे भारतीय भी हैं, जो 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बेहतर होता कि क्रीमीलेयर पर भी न्यायिक फैसला सुनाया जाता। बहरहाल फैसले के जोखिम भी सामने आने लगे हैं। पर्याप्त संभावना है कि एससी-एसटी अब एक समूह नहीं रह जाएगा। उनके भीतर ही अलग-अलग वर्ग खड़े हो जाएंगे और फिर उनसे जुड़ी नई राजनीति उबलने लगेगी।

केंद्र सरकार में ही एनडीए की सहयोगी लोजपा (रामविलास) ने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, ताकि एससी-एसटी वर्ग में भेदभाव न हो और वे कमजोर न पड़ें। चूंकि इसे राज्य लागू कर सकेंगे, लिहाजा यह सवाल मौजू है कि कब तक यह निर्णय लागू किया जा सकेगा। एससी-एसटी की गणना उपलब्ध है, लिहाजा जातीय जनगणना अनिवार्य नहीं है। राज्य सरकारें विशेषज्ञ-पैनल बना सकती हैं। वे शोध और डाटा के जरिए बताएंगे कि कौनसी जाति सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ी है और उन्हें आरक्षण के दायरे में लाना बहुत जरूरी है।

पीठ ने 2004 में 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र' वाले मामले में दिए गए फैसले को रद्द कर दिया है। उस फैसले में कहा गया था कि राज्य सरकार तय आरक्षण में उप-वर्गीकरण नहीं बना सकती। ताजा फैसला पंजाब का है। दरअसल पंजाब सरकार ने 2006 में कानून बनाया था कि राज्य में एससी-एसटी आरक्षण में 50 फीसदी आरक्षण, पहली प्राथमिकता के तहत, वाल्मीकि और मजहबी सिखों को मिलेगा। पंजाब उच्च न्यायालय ने 2010 में इसे रद्द कर दिया था। उसके खिलाफ पंजाब सरकार सर्वोच्च अदालत पहुंची थी। इन तमाम संदर्भों में पीठ ने अलग-अलग अनुच्छेद की व्याख्या स्पष्ट की है और राज्यों के अधीन उप-वर्गीकरण का फैसला दिया है। डाटा के आधार पर यह कोटा बदलता रहेगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी एक वर्ग को 100 प्रतिशत आरक्षण न दे दिया जाए। राज्य सरकारें मर्जी से उप-वर्गीकरण नहीं बना सकतीं।

शेख हसीना का तख्तापलट भारत के लिए अच्छी खबर नहीं

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे।

बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में जान-माल और लोकतंत्र को भारी नुकसान के बाद आखिरकार शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हो ही गया। देश की कमान अब सेना के पास है और उसने अंतरिम सरकार का गठन करवाने की बात कही है। शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के लिए बांग्लादेश में जिस तरह का अभियान चलाया गया उसने दूसरे इस्लामिक देशों के सत्ताधारियों की नींद उड़ा दी है। शेख हसीना का सत्ता से बाहर होना कट्टरपंथियों की बहुत बड़ी जीत है। यह जीत दर्शाती है कि दुनिया भर में हावी होते इस्लामिक कट्टरपंथी अब भारत के बगल में भी प्रभावी हो रहे हैं। दुनिया में कई इस्लामिक देश उदारवादी माने जाते हैं अब उन्हें यह खतरा सता रहा है कि यदि कट्टरपंथी उनके यहां भी हावी हुए तो वर्तमान सत्ताधारियों के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाकर उन्हें शासन से बाहर किया जा सकता है।

जहां तक शेख हसीना की बात है तो उनके शासनकाल में पहली बार देश में हालात इस कदर बेकाबू हुए कि उन्हें इस्तीफा देकर अपना देश छोड़कर ही भागना पड़ा। शेख हसीना के खिलाफ इस समय नाराजगी भले चरम पर पहुँच चुकी थी लेकिन जब वह 2009 का आम चुनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनी थीं तब उनकी लोकप्रियता देखने लायक थी। 2009 के बांग्लादेश चुनाव के नतीजों से सबसे बड़ा झटका शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया को नहीं बल्कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी को लगा था। जमात-ए-इस्लामी वही संगठन है जिसने 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का पक्ष लिया था। खालिदा जिया की सरकार के दौरान आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में खूब फले-फूले थे और कट्टरपंथियों का वहां बोलबाला हुआ करता था। जमात-ए-इस्लामी के भी उस समय 20 सांसद हुआ करते थे। यही नहीं, खालिदा जिया के जमाने में आतंकी तत्व बांग्लादेश की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाने में किया करते थे। उस समय उल्फा तथा कई अन्य उग्रवादी संगठनों के ठिकाने बांग्लादेश में हुआ करते थे। इस संबंध में जब भी भारत सरकार ने तत्कालीन बांग्लादेश सरकार को कार्रवाई के लिए कहा तब-तब खालिदा जिया की सरकार कह देती थी कि भारत की ओर से दी जा रही सूचनाएं गलत हैं।

खालिदा जिया ने सत्ता से हटने के बाद काफी प्रयास किया कि वह दोबारा सरकार में लौट सकें लेकिन जनता ने उन्हें हमेशा खारिज किया। खालिदा जिया धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गयीं जिससे ऐसे उत्पाती और आतंकी तत्वों के लिए अस्तित्व बचाने का सवाल खड़ा हो गया जोकि खालिदा जिया के शासन की छत्रछाया में पनपते थे। इन तत्वों ने सरकार के विरोध में योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया और छात्रों को आगे कर वह अपना उद्देश्य हासिल करने में सफल रहे। बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है वह वहां के लिए तो घातक है ही साथ ही भारत के लिए भी यह मुश्किल बढ़ने वाली बात है। भारत ने हालांकि बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है लेकिन अब देश को चीन और पाकिस्तान की सीमा के अलावा बांग्लादेश सीमा पर भी काफी सावधानी बरतनी होगी। ढाका में दिल्ली समर्थक सरकार का नहीं रहना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है।

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे। शेख हसीना ने बांग्लादेश की कमान संभालने के बाद कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई थी और भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहे संगठनों पर भी अंकुश लगाया था। यही नहीं, शेख हसीना बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को भी अक्सर सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाती रहती थीं और उनके धार्मिक आयोजनों में भी शामिल होती थीं। शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हिंदुओं पर हमले बढ़ने और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुँचाये जाने की आशंकाएं बलवती हो रही हैं। पहले भी वहां हिंदुओं पर वीभत्स हमले होते रहे हैं ऐसे में अब उनके लिए खतरा और बढ़ गया है।

वैसे इसमें कोई दो राय नहीं कि शेख हसीना ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को भी संकटों से उबारा था लेकिन यह भी तथ्य है कि हाल के वर्षों में खासकर महामारी के बाद से देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाने लगी थी। बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के चलते शेख हसीना के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही थी। देखा जाये तो बांग्लादेश में मौजूदा अशांति का कारण सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या नहीं बढ़ना भी है। उस पर से बांग्लादेश सरकार के हालिया आरक्षण संबंधी फैसले से छात्रों में नाराजगी बढ़ गयी थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के कपड़ा कारखाने पूरी दुनिया में मशहूर हैं लेकिन अब यह क्षेत्र सिकुड़ रहा है जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा है। साथ ही बांग्लादेश में महंगाई के 10 प्रतिशत के आसपास बने रहने, बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार के सिकुड़ते जाने और देश पर विदेशी कर्ज बढ़ते जाने जैसे कई अन्य कारक भी रहे जोकि शेख हसीना सरकार के खिलाफ आम जनता की नाराजगी बढ़ा रहे थे।

उस पर से जब शेख हसीना ने यह कह दिया कि आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन करने वाले लोग छात्र नहीं बल्कि इस्लामिक पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के लोग थे तो छात्रों का गुस्सा और भड़क गया। इसके बाद शेख हसीना ने और कड़ा रुख अपनाते हुए कह दिया कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं वे छात्र नहीं बल्कि आतंकवादी हैं जो देश को अस्थिर करना चाहते हैं इसलिए सरकार उनके साथ सख्ती से निबटेगी। उनके इस बयान के बाद तो आंदोलनरत छात्रों ने आर पार की लड़ाई का मन बना लिया और आखिरकार वह अपने उद्देश्य को हासिल करने में सफल रहे।

बांग्लादेश से जो दृश्य सामने आ रहे हैं वह दर्शा रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों का मकसद सिर्फ सत्ता बदलना नहीं था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास और अन्य महत्वपूर्ण इमारतों में घुसकर प्रदर्शनकारियों ने जो हरकतें की हैं वह दर्शा रही हैं कि अब देश अराजकतावादियों के हाथ में चला गया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास में जिस तरह मस्ती करते या संपत्ति को नुकसान पहुँचाते युवकों का वीडियो सामने आया है उसने श्रीलंका के राष्ट्रपति भवन में घुसे प्रदर्शनकारियों और अफगानिस्तान में तख्तापलट के दौरान सरकारी इमारतों में घुसते तालिबानियों की याद दिला दी है। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को समझना होगा कि मूर्तियों को तोड़ने, सरकारी इमारतों को नुकसान पहुँचाने और किसी देश के विरोध में अभियान चलाने से देश की अर्थव्यवस्था सुधर नहीं जायेगी।

बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का सबसे बड़ा खामियाजा यह होगा कि विदेश कर्ज हासिल करने के जो प्रयास किये जा रहे थे, या बांग्लादेश में जो निवेश आने वाला था, अब वह बाधित हो जायेगा। बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का खामियाजा यह होगा कि विदेशी सरकारें उसकी मदद करने से कतराएंगी। दुनिया का कोई भी लोकतांत्रिक देश दूसरे देश की सरकार से ही बातचीत करने या कोई करार करने को वरीयता देता है। सैन्य नियंत्रण वाले देशों से लोकतांत्रिक देश अक्सर दूरी बनाये रखते हैं।

बहरहाल, बांग्लादेश की सेना और राष्ट्रपति को चाहिए कि जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन किया जाये और संभव हो तो नये चुनाव कराये जाएं। यह सर्वविदित है कि हिंसा किसी मसले का हल नहीं है, लूटपाट और उत्पात से देश को नुकसान ही होगा और पिछले वर्षों में आगे बढ़ने के लिए जो मेहनत की गयी थी उस पर भी पानी फिर जायेगा। इसलिए समय की आवश्यकता है कि बांग्लादेश एकजुट होकर इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकले।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सिवनी-बालाघाट मार्ग बनेगा फोरलेन, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर-सिवनी-बालाघाट मार्ग पर यात्रा कर अतिवृष्टि से उपजे हालात का लिया जायजा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न हालातों का जायजा लेने के लिये आज जबलपुर से सिवनी होते हुए बालाघाट तक सड़क मार्ग से भ्रमण किया। उन्होंने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों और पशुओं के लिये पर्याप्त सुरक्षात्मक बंदोबस्त करने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों और आम नागरिकों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति (मुआवजा) राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री का सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान गाँव-गाँव में सभी वर्गों के लोगों के साथ जन-प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मार्ग में आमजन से चर्चा की और संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सिवनी-बालाघाट मार्ग जल्दी ही फोरलेन बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुरई महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण और नगरीय क्षेत्र बरघाट में डिवाइडर युक्त मॉडल रोड निर्मित किये जाने की सौगात जनता को दी।

सिवनी जिले की बहनों का स्नेह कभी नहीं भूलूंगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सड़क मार्ग से सिवनी जिला मुख्यालय पहुंचने पर नगरवासियों द्वारा अभिवादन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अगस्त माह बहनों के लिए उत्सव की तरह मना रही है। नारी सशक्तिकरण की दिशा में सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को प्रदेश में रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश की लाडली बहनों को प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रूपये की राशि के अतिरिक्त 250 रूपये की राशि रक्षा बंधन के लिए उनके बैंक खाते में अंतरित की जा रही है। जिससे वे रक्षा बंधन का त्यौहार पूरे उत्साह से मना सकें। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को ग्रामवार, वार्डवार, निकायवार तथा जिलेवार भव्य आयोजन किए जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे सिवनी जिले की बहनों के स्नेह को सदैव अपनी स्मृति में सजों कर रखेंगे।

बरघाट में बनेगा डिवाईडरयुक्त मॉडल रोड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा सिवनी-बालाघाट सड़क मार्ग के गड्डों एवं सोल्डर की तत्काल मरम्मत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सिवनी-बालाघाट राज्य मार्ग को परीक्षण उपरांत फोरलेन बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कुरई में महाविद्यालय का नवीन भवन बनाने एवं नगरीय क्षेत्र बरघाट में डिवाईडरयुक्त मॉडल रोड बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने नागनदेवरी, लखनादौन, गनेशगंज, छपारा एवं बंडोल में बहनों से बंधवाई राखी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सड़क मार्ग द्वारा जबलपुर से सिवनी- जबलपुर सीमा में स्थित ग्राम बंजारी पहुंचने पर विधायक बरघाट श्री कमल मर्सकोले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया एवं वरिष्ठ जिलाधिकारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम बंजारी से सिवनी की ओर मार्ग में नागनदेवरी, लखनादौन, गनेशगंज, छपारा तथा बंडोल में बहनों से आत्मीय भेंट कर राखी बंधवाई। उन्होंने बहनों को रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी।

भीमगढ़ बांध के बैक वाटर क्षेत्र का अवलोकन कर अधिकारियों को दिए निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले में छपारा तहसील स्थित बैनगंगा नदी के पुल पर वाहन रुकवाया एवं बैनगंगा नदी को प्रणाम कर पुष्प अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भीमगढ़ बांध के बैक वाटर का अवलोकन कर विगत 22 जुलाई को हुई अतिवर्षा से निर्मित बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन से अतिवर्षा के दौरान जल भराव क्षेत्र एवं प्रभावित गाँवों के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक प्रबंध करने को निर्देशित किया।

जन प्रतिनिधियों का कुन्बी समाज सेवा संगठन ने किया सम्मान

बैतूल। क्षत्रिय लोन्हारी कुन्बी समाज सेवा संगठन के शपथ ग्रहण एवं जनप्रतिनिधियों के सम्मान समारोह का आयोजन जयवंती हक्सर शासकीय महाविद्यालय के सभागृह में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके, बैतूल विधायक हेमन्त खंडेलवाल, विधायक चन्द्रशेखर देशमुख, डॉ. योगेश पंडाग्रे और नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बारस्कर उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ वीर शिवाजी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कुन्बी समाज सेवा संगठन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। जिसमें संगठन के अध्यक्ष यशवंत मुन्ना मानकर, सचिव डॉ. उज्जवल पांसे, कोषाध्यक्ष संजय माकोड़े सहित कार्यकारिणी सदस्यों को समाज की वरिष्ठ महिला प्रभाताई वागद्रे ने शपथ दिलाई। इस गरिमामय आयोजन में सभी जन प्रतिनिधियों का शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया गया। जिनमे मुख्य रूप से केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद डीडी उइके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र कनाठे और भीम धोटे ने किया, जबकि आभार उपाध्यक्ष राजेश गावंडे ने व्यक्त किया।

वनरक्षक हर्ष राजपूत ने प्रशिक्षण के दौरान 81 प्रतिशत अंक के साथ वनमंडल का नाम रोशन किया

दमोह । सामान्य वन मण्डल दमोह के अंतर्गत वनरक्षक के पद पर पदस्थ हुये हर्ष राजपूत ने वनरक्षक प्रशिक्षण विद्यालय गोविन्द्रगढ़ में 06 महीने के सफल प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण के विषय वन उपयोगिता में प्रथम स्थान तथा वनसुरक्षा वानिकी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ खेलकूद प्रतियोगिता में 1500 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान, 800 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान एवं 100 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त कर किया है। ज्ञातव्य हो की वनरक्षक हर्ष राजपूत ने 41 प्रशिक्षर्णार्थियों में 05 स्थान प्राप्त कर 81 प्रतिशत अंक अर्जित कर वन मण्डल दमोह का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता पर वन मण्डलाधिकारी एम.एस. उइके ने उनकी प्रशंसा की ओर उन्हें अपने शासकीय कर्तव्यों को और निष्ठा, लगन, मेहनत से करने प्रोत्साहित किया।

पथरिया में एक जर्जर भवन को प्रशासन ने ढहाया

दमोह ‍पथरिया नगर के आटा कहा जाने वाले वार्ड क्रमांक 07 में कई साल पुराने जर्जन भवन को नगर पंचायत और प्रशासन ने ढहा दिया। इस मकान में बीते कई सालों से मकान मालिक नहीं रहते थे, वे कहीं दूसरे शहर में जाकर रह रहे हैं। खंडहर हो चुका यह मकान बारिश के चलते कभी भी ढह सकता था, जिससे आसपास रहने वालों लोगों को जोखिम हो सकता था। कलेक्टर सुधीर कोचर ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में जर्जर हो चुके भवनो को ढहा दें, ताकि किसी तरह की जनहानि की संभावना न रहे। इसी के तहत नगर पंचायत पथरिया ने इस भवन पर एक नोट स्टेटस पर किया था, लेकिन मकान मालिक यहां नहीं पहुंचे और सोमवार को पथरिया में यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान पथरिया तहसीलदार दीपा चतुर्वेदी, नगर पंचायत सीएमओ राजेश अवस्थी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

कर्नल वी.के. एस चौहान का विदाई समारोह श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में हुआ आयोजित

छतरपुर। 25 म.प्र. बटालियन एनसीसी छतरपुर के कर्नल वी.के. एस चौहान की विदाई समारोह का आयोजन 03 अगस्?त को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। 25 म.प्र. बटालियन एनसीसी के नए कर्नल नितिन पाल थापा जी और एडम अफसर कर्नल वाई.के. गाँधी जी का हार्दिक स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंटकर तथा विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने लफ्टिंनेट गौरव शर्मा और निशा बुंदेला के नेतृत्व में गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया। उपस्थित प्राध्यापक और एनसीसी कैडेट्स द्वारा पुष्प वर्षा कर अतिथियों का अभिनंदन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बबोधन में कहा कि यह मेरे लिए बहुत ही भावुक कर देने वाला क्षण है कि कर्नल चौहान जी हमें और इस शहर को छोड़कर अन्यत्र जा कर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे पर हम उन्हें दिल से अलविदा नहीं कर रहे अपनी कार्य शैली संस्थान के प्रति समर्पण भाव से हम सभी के हृदय में जो स्थान बनाया है उसे हम कभी विस्मृत नहीं कर पाएंगे। मुझे हमेशा ही लगता है कि हम एक परिवार की तरह हमेशा साथ रहेंगे परंतु निरंतर रूप से आगे बढ़ते रहने का नाम ही जीवन है।

रोड, भवन और आश्रम बदहाल, मिली राशि भी गंवाई

धार। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त के कारनामे पिछले महीने में विधानसभा में भी गूंजे। एक और जिले में स्कूल, छात्रावास, आश्रम और एकलव्य आश्रमों की हालत खस्ता है। भवनों की स्थिति बद से बदतर है और बारिश के दिनों में ग्रामीण अंचल में बच्चे परेशान हैं। जिले में वर्ष 2023-24 में अजजा बस्ती विकास मद की 3 करोड 83 लाख 21 हजार रुपए की राशि लेप्स हो गई। यह सहायक आयुक्त ब्रजकांत शुक्ला की अनदेखी और मनमानी का उदाहरण है। सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने विधानसभा सत्र में पिछले माह जुलाई में जिले के लिए आदिवासी बस्ती विकास मद से प्राप्त आवंटन राशि से संबंधित प्रश्न पूछा था। जिसके जवाब में जनजातीय कार्य मंत्री ने जवाब दिया कि वर्ष 2023-24 में शासन से जिले के आदिवासी बस्ती विकास मद में 3 करोड 83 लाख 21 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई, लेकिन आदिवासी बस्ती विकास के लिए किसी भी प्रकार की स्वीकृति जारी नहीं की गई।

चिकित्सालय को पीपीपी मोड पर संचालित योजना में खासी खामियां

मूल स्वरूप रखने चिकित्सा अधिकारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा

बैतूल। मध्य प्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ ने जिला चिकित्सालय के मूल स्वरूप रखने और पीपीपी मोड पर संचालित होने वाले मेडिकल कॉलेज को समानांतर रखने के लिए कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी से मांग की है। चिकित्सालय में 75 प्रतिशत बिस्तर फ्री सेवा और 25 प्रतिशत बिस्तर पेमेंट अथवा आयुष्मान योजना के अंतर्गत लिए जाएंगे। चिकित्सालय के नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों की सेवाएं प्राइवेट मैनेजमेंट के अधीन कर दी जाएंगी। या उन्हें अन्यत्र शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे सेवाओं में असंतुलन हो सकता है। जिससे जनता को परेशानी होगी है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बेहतर विकल्प दिया है। जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिविल अस्पताल जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। बताया कि पीपीपी मोड के चलते यह व्यवस्था भंग हो जाएगी। क्योंकि जिला चिकित्सालय का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। और जिले में केवल प्राइवेट मेडिकल कॉलेज होगा। इससे द्वितीय और तृतीय स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से प्राइवेट मैनेजमेंट के अधीन हो जाएंगी। जिससे प्राइवेट संस्थानों की मनमानी बढ़ जाएगी। डाकटर रानू वर्मा ने कहा कि जिले में एम एल सी पीएम और आयु निर्धारण जैसे कार्य भी प्राइवेट संस्थानों द्वारा किए जाएंगे। जो उचित नहीं है। अन्य बड़े जिलों जैसे भोपाल,इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर आदि में सरकारी मेडिकल कॉलेज ये कार्य संभालते हैं। वर्तमान में चिकित्सालय में 500 बेड उपलब्ध हैं। पीपीपी मोड के बाद भी इसकी संख्या समान मानी जाएगी। लेकिन 75 प्रतिशत फ्री और 25 प्रतिशत पेमेंट के अनुसार 500 में से 125 बेड पेमेंट के होंगे। इस पर आयुष्मान वाले मरीजों का या पैसों से इलाज होगा। इससे केवल 375 बेड आम जनता के लिए फ्री रहेंगे। और इसमें कौन से मरीज का इलाज फ्री होगा और कौन से मरीज पेमेंट देंगे । इसकी पारदर्शिता का नियंत्रण शासन के अधीन नहीं रहेगा।

जिला अस्पताल में कार्यरत सभी डॉक्टर, नर्सिंग ऑफिसर, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को यथावत् शासन के अधीन रखा जाए। और संघ के अध्यक्ष डॉ. पद्माकर, डॉ. जगदीश धोटे, डॉ. आर. बारंगे, डॉ. परिहार और डॉ. प्रांजल शामिल थे।

बम्हनी पुलिस की प्रताड़ना ने ली 24 वर्षीय युवक की जान

मण्डला/अजीत पटेल-- जिले में अब रक्षक ही भक्षक बन चुके हैं और जब मासूमजन न्याय की मांग कर रहे तो उन्हें निराशा की पोटली थमा दी गई।विगत तीन दिवस पहले ठरका निवासी राममिलन चक्रवर्ती द्वारा बम्हनी थाना में पदस्थ पुलिसकर्मी किशोर मसखरे को गांव बुलाया और शराब पिलाकर गांव के मिथिलेश चक्रवर्ती के घर पुलिसकर्मी किशोर को ले जाकर मिथलेश की मां,पत्नी, बच्चे एवं उसके परिवारजनों को किशोर मसखरे द्वारा पुलिसिया रुवाब में गाली- गलौज,जान से मारने की धमकी,रास्ते वाहन से एक्सीडेंट कराना, झूठे मामले में फंसाकर जेल में डालना जैसे वर्दी के दम पर गुंडागर्दी का पूरा पुलिसिया रोब दिखाया गया? और उसे इस कदर प्रताड़ित एवं धमकी दी गई की दहशत में आकर देर रात मिथिलेश चक्रवर्ती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।मामले को लेकर चक्रवर्ती समाज एवं परिजनों ने बताया कि उक्त घटना की पूरी जानकारी पुलिस अधीक्षक मण्डला को दी गई थी क्योंकि जब थाने का कर्मचारी उनके घर पर जाकर गुंडागर्दी कर रहा था तब उनके द्वारा एसपी को फोन पर पूरी जानकारी दी गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई तब मृतक दूसरे दिन लिखित शिकायत लेकर बम्हनी थाने गया तो थाना प्रभारी वर्षा पटैल ने राममिलन के दबाव में रिपोर्ट लिखने से मना कर दी एवं मृतक को डांटकर भगा दिया गया जिससे बाद मृतक द्वारा थाना बम्हनी से ही सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कर घटना की जानकारी दी गई

केबीनेट मंत्री के पडोसीयो को गिरते पानी में शव रखकर करना पड़ा चकाजाम

मामले को लेकर नाराज ग्रामीणों,परिजनों एवं चक्रवर्ती समाज ने थाना बम्हनी बंजर के सामने चक्काजाम कर आरोप लगाया कि युवक की जान थाना बम्हनी के भ्रष्ट रवैये एवं लापरवाही की वजह से गई है।आक्रोशित ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि बम्हनी थाना जो पूर्ण रूप से बिका हुआ है जब एक नगर का रक्षक ही भक्षक बने शराब पीकर किसी मासूम के घर में धमकाने के लिए जाए एवं उसे आत्महत्या करने को मजबूर कर दिया जाये तो नगर कितना सुरक्षित है स्पष्ट पता चलता है।घटना के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने पोस्ट मार्डम के बाद थाने के सामने सुबह लगभग 11 बजे शव रखकर चक्काजाम कर मृतक मिथलेश चक्रवर्ती के लिए न्याय की मांग करने लगे।आक्रोशित परिजन एवं ग्रामीणों ने राममिलन एवं आरोपित पुलिसकर्मी के खिलाफ मामला दर्ज करने एवं थाना प्रभारी को तत्काल हटाने की मांग पर अड़ गये इस दौरान लगभग 4 बजे से तेज बारिश शुरू हुई लेकिन ग्रामीण किसी भी स्थिति में बिना मांग पूरी हुए उठने तैयार नहीं थे। इस पूरे घटनाक्रम से पुलिस एवं जिला प्रशासन कितना संवेदनशील है समझा जा सकता है।जब एक केबीनेट मंत्री के गाँव की जनता को न्याय के लिए गिरते पानी में शव रखकर प्रदर्शन करना पड़े फिर भी त्वरित न्याय न मिल पाये तो माना जा सकता है सरकार और प्रशासन की नियत और छवि जनता के प्रति स्पष्टता व्यक्त करती है।

होमगार्ड, प्रबंधन के महानिदेशक ने किया रामघाट डीआरसी का निरीक्षण

उज्जैन। होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के महानिदेशक श्री अरविंद कुमार अपने उज्जैन भ्रमण के दौरान रामघाट डीआरसी का औचक निरीक्षण किया गया। महानिदेशक सुबह प्रातः 0830 बजे की रामघाट पर पहुंचे, उनके साथ होमगार्ड / एसडीईआरएफ के जिला सेनानी श्री संतोष कुमार जाट भी थे सर्वप्रथम रामघाट पर डियुटीरत प्लाटून कमाण्डर पुष्पेन्द्र त्यागी द्वारा रामघाट पर तैनात होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के जवानों और आपदा प्रबंधन संसाधनों की जानकारी से डी. जी. महोदय को अवगत कराया गया ।

महानिदेशक महोदय द्वारा डीआरसी मे लगे जवानो की मीटिंग ले कर वर्षाकाल के दौरान सजग और सतर्क रहने के लिए कहा गया। दिनांक 04/08/2024 को माकडोन डीआरसी द्वारा छोटी कालीसिंध नदी में किये गये रेस्क्यु कार्य की सरहना की गई एवं भविष्य में डीआरसीयो को आधुनिक संसाधनो से लेस करने का अश्वासन दिया गया। ताकि वर्षा काल के दौरान स्थापित डीआरसी अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम कर सके, मौके पर डीआरसी प्रभारी प्लाटून कमाण्डर सुश्री हेमलता पाटीदार भी उपस्थित रही।

इसके पश्चात डी. जी. महोदय ने स्वयं मोटरबोट के माध्यम से रामघाट, सिद्धाश्रम घाट, दत्तअखाडा इत्यादि का भ्रमण कर घाटो का जायजा लिया एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु होमगार्ड/एसडीईआरएफ विभाग द्वारा की व्यवस्था देखी, इसके पश्चात सावन माह मे बाबा महाकाल की तृतीय सवारी में रामघाट मे लगें होमगार्ड / एसडीईआरएफ जवानो की ब्रीफिंग कर डयूटी हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही सुरक्षा व्यवस्था हेतु की गयी पूर्व तैयारीयो का भी जायजा लिया । इसके उपरांत डी.जी. महोदय द्वारा पिछले 01 माह में रामघाट सुरक्षा व्यवस्था में लगे होमगार्ड/एसडीईआरएफ जवानो द्वारा शिप्रा नदी का जलस्तर लगातार बडने एंव अधिक बहाव होने से सम्पूर्ण रामघाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओ को एक माह में 03 बार रेस्क्यू अभियान चलाकर सुरक्षित बहार निकाला गया। एंव ग्रीष्मऋतु में मोक्षदायिनी शिप्रा नदी में स्नान करने आये लगभग 85 श्रद्धालुओं की जान जिन होमगार्ड / एसडीईआरएफ द्वारा बचायी गयी। उनके सहासी कार्यो की सरहाना कर पुरूस्कृत करने हेतु कहा गया।

अल्बी बाबा जन कल्याण समिति के तत्वावधान में निकाली गई कांवड़ यात्रा

सेमरी हरचंद-। अल्वी बाबा जन कल्याण समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कावड़ यात्रा निकाली गई। यह कावड़ यात्रा सोमवार सुबह नर्मदा तट सांगाखेड़ा खुर्द से निकल गई जो चौराहेट, सिलारी, बहारपुर, गोल होते हुए बोल बम के नारे के साथ सेमरी हरचंद पीपल चौक पर पहुंची जहां समाजसेवी धर्मेंद्र पटेल (लाल साहब), कृष्णकांत पटेल के नेतृत्व में मित्रों ने फलाहार एवं जल पिलाकर स्वागत किया। इसके बाद कावड़ यात्रा डोब स्थित सिद्ध बाबा धाम के लिए रवाना हुई। यहां कांवड़ियों द्वारा भगवान शिव का नर्मदा जल से अभिषेक किया गया एवं भंडारा प्रसादी का वितरण किया गया। कावड़ अपने कंधे पर लेकर सैकड़ो कांवड़िया पवित्र स्थल सिद्ध बाबा पहुंचे। कावड़ यात्रा के नगर में प्रवेश करने पर पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा, कांग्रेस नेता पुष्पराज पटेल, जिला पंचायत सदस्य हाकम सिंह गुर्जर, रमेश तिवारी, टिल्लू डेरिया, नरेंद्र मालवीय, बाबूलाल पाल, रामनाथ पटेल, भगवान सिंह पटेल, बबलू, भूरेलाल मर्सकोले व अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

सोशल मीडिया से

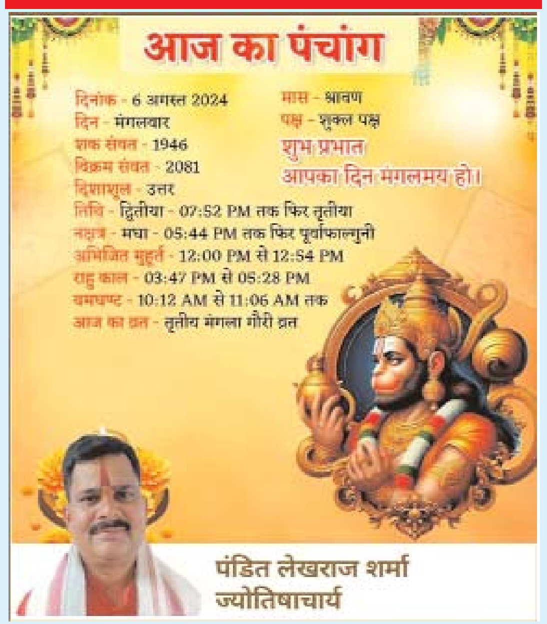

पोको ने पॉवर, स्टाईल और साउंड के बेहतरीन अनुभव के लिए एम6 प्लस 5जी और बड्स एक्स1 लॉन्च किया

नईदिल्ली एजेंसी। भारत के कंज्यूमर टेक स्पेस में तीव्र वृद्धि करते हुए पोको ने आज अपनी एम-सीरीज़ में पोको एम6 प्लस 5जी पेश किया। एम6 प्रो की सफलता को आगे बढ़ाते हुए एम6 प्लस 5जी में रिंग फ्लैश डिज़ाईन के साथ प्रीमियम ग्लास दिया गया है। इसमें 3एक्स इन-सेंसर ज़ूम के साथ 108 मेगापिक्सल का कैमरा और स्नैपड्रैगन 4 जेन2 एई प्रोसेसर है। पोको ने बड्स एक्स1 भी पेश किए हैं, जिनमें 40 डेसिबल का हाईब्रिड एक्टिव नॉईज़ कैंसेलेशन और कस्टमाईज़ेबल ऑडियो सेटिंग्स हैं, जो सुनने का बहुत व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करती हैं। यह स्मार्टफोन प्रबुद्ध और टेकप्रेमी जेन ज़ी ग्राहकों की सभी अपेक्षाओं को पूरा करेगा, जो पॉवर और स्टाईल के साथ बेहतर अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं। पोको युवाओं, विशेषकर जेन ज़ी को प्रेरित करने और उनके लिए चुनौती का निर्माण करने पर केंद्रित है। इसलिए यह अपनी अद्वितीय डिज़ाईन फिलॉसफी और उत्पाद की विशेषताओं के साथ उन्हें अतुलनीय अनुभव प्रदान करता है। इस ब्रांड ने अपेक्षाओं को बढ़ाते रहने का मानक स्थापित किया और अत्यधिक किफायती मूल्यों में उत्कृष्टता प्रदान करने के मानक बनाए। पोको एम6 प्लस 5जी और बड्स एक्स1 पेश करके पोको ने लगातार विकसित हो रहे बजट स्मार्टफोन सेगमेंट में असाधारण मूल्य प्रदान करते हुए इनोवेशन और ग्राहक संतुष्टि की अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

दहेज प्रथा के खिलाफ संदेश देने के साथ कॉमेडी से भरी है फिल्म कुंवारापुर

इंदौर। स्थानीय कलाकारों के हुनर को दुनिया के सामने लाने के लिए अविनाश फिल्म्स और मेक्सन बैटरी के बैनर तले कॉमेडी फिल्म 'कुंवारापुर' बनाई है। फिल्म के डायरेक्टर राजेंद्र राठौर की यह पहली थियेटर रिलीज फिल्म है, जो 9 अगस्त को सिनेमाघर में आ रही है। फिल्म के मुख्य कलाकार असरानी, विक्रम कोचर, अविनाश तिवारी, अन्नपूर्णा द्विवेदी, गरिमा अग्रवाल, उर्मिला शर्मा के साथ स्थानीय कलाकारों ने भी शानदार अभिनय किया है। फिल्म के निर्माता लक्ष्मण बर्फा है। रतलाम के सैलाना के रहने वाले डायरेक्टर राजेंद्र राठौर मुंबई में काम कर रहे हैं। वह अब तक 50 विज्ञापन फिल्में और 10 म्यूजिक वीडियो के साथ शॉर्ट फिल्म और वेब सीरीज बना चुके हैं। उनके निर्देशन में सोनू सूद, हेमा मालिनी, उर्वशी रौतेला, भाग्यश्री, गौहर खान जैसे कई कलाकार काम कर चुके हैं। डायरेक्टर राजेंद्र राठौर ने बताया कि - अभी तक मध्य प्रदेश का कोई रीजनल सिनेमा नहीं है। इस फिल्म के माध्यम से मालवा और निमाड़ को प्रेजेंट किया है। यह फिल्म मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय सिनेमा की शुरुआत है। इस फिल्म के माध्यम से हम स्थानीय कलाकारों को पहचान दिलाना चाहते हैं ताकि इन्हें भी बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिले। मध्य प्रदेश में युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन हर कोई मुंबई जाकर अपना सपना पूरा नहीं कर सकता इसलिए इस क्षेत्र में फिल्म सिटी बनना चाहिए जिससे इन्हें बाहर नहीं जाना पड़े।

54 प्रतिशत माता-पिता के पास बच्चों के सवालों का फौरन कोई जवाब नहीं होता: अमेज़न एलेक्सा सर्वेक्षण

बेंगलुरु एजेंसी। बच्चे स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं और माता-पिता हमेशा ऐसे सटीक जवाब ढूंढने की कोशिश करते रहते हैं जिससे उनकी जिज्ञासा शांत हो। यह बात अमेज़न एलेक्सा के कांतार के ज़रिये जून 2024 को छह शहरों में 750 से अधिक अभिभावकों के बीच किए गए एक हालिया सर्वेक्षण में सामने आई। इस सर्वेक्षण से पता चला कि सर्वेक्षण में शामिल लगभग 54 प्रतिशत माता-पिता अक्सर महसूस करते हैं कि उनके पास बच्चों के सवालों का फौरन कोई जवाब नहीं होता। साथ ही इसमें 52 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि यदि उन्हें पता न हो तो वे तुरंत सटीक जवाब ढूंढने की कोशिश करते हैं। गौरतलब है कि सर्वेक्षण में शामिल 44 प्रतिशत माता-पिता ने मौके पर ही मनगढ़ंत जवाब देने की बात स्वीकार की। सर्वेक्षण में शामिल केवल 3 प्रतिशत माता-पिता ने सवाल को अनदेखा किया या बच्चे को सवाल पूछने से रोकने के लिए विषय बदल दिया। बच्चे अक्सर कार कैसे बनाएं?, ब्रह्मांड कितना बड़ा है?, हवाई जहाज कैसे उड़ता है?, और मछली पानी के नीचे कैसे सांस लेती है?, जैसे सवाल पूछते हैं। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 60 प्रतिशत माता-पिता ने कहा कि वे अक्सर हैरान हो जाते हैं जब बच्चे ऐसे सवाल पूछते हैं जो दिखने में आसान लगते हैं, जैसे सर्दी और गर्मी के बीच कौन सा मौसम आता है?, माता-पिता को काम क्यों करना पड़ता है

आईआईएम संबलपुर के मैनेजमेंट इमर्शन प्रोग्राम में शामिल हुए आईआईएलएम यूनिवर्सिटी के 62 छात्र

संबलपुर एजेंसी। देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम संबलपुर ने आईआईएलएम विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए मैनेजमेंट इमर्शन प्रोग्राम (एमआईपी) का आयोजन किया। चार दिवसीय आवासीय मैनेजमेंट इमर्शन प्रोग्राम का उद्देश्य आईआईएम संबलपुर में मैनेजमेंट एजुकेशन के साथ ही विद्यार्थियों को कैम्पस लाइफ का गहन अनुभव प्रदान करना था। 30 जुलाई से 2 अगस्त 2024 के दौरान आयोजित मैनेजमेंट इमर्शन में आईआईएलएम विश्वविद्यालय के 62 छात्र शामिल हुए। इस प्रोग्राम को विभिन्न इंटरैक्टिव सत्रों, कार्यशालाओं और केस स्टडीज़ के माध्यम से फ़्लिप्ड कक्षाओं, व्यावहारिक प्रबंधन अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक अनुभव में अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया। आईआईएम संबलपुर के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और उद्योग विशेषज्ञों ने इस प्रोग्राम को और प्रभावी बनाने में सहायता की। मैनेजमेंट इमर्शन प्रोग्राम के उद्घाटन समारोह में आईआईएम संबलपुर के डायरेक्टर प्रो. महादेव जायसवाल ने कहा, ''आईआईएम संबलपुर में हम अपने कोर वैल्यू- इनोवेशन, इंटीग्रिटी और इन्क्लूसिवनेस को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हड़कंप के बीच सुजलॉन एनर्जी के शेयर ने रचा इतिहास, खरीदने की लूट, 71 पर आया

नईदिल्ली एजेंसी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस बीच, सोमवार को सुबह के सेशन में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखी गई। आज, बीएसई पर सुजलॉन के शेयर 71.75 प्रति शेयर के इंट्राडे उच्चतम स्तर को टच कर गए। यह इसका 52 वीक का हाई प्राइस है। सुजलॉन एनर्जी शेयरों के आउटलुक पर चॉइस ब्रोकिंग के कार्यकारी निदेशक सुमीत बगाड़िया ने कहा, सुजलॉन का शेयर तकनीकी चार्ट पर एक नया ब्रेकआउट देने के कगार पर है। सुजलॉन का शेयर प्राइस आज 72 प्रति शेयर पर एक नया ब्रेकआउट देने में विफल रहा, लेकिन स्टॉक को निचले स्तरों पर समर्थन मिल रहा है, जो सराहनीय है। इसलिए, सुजलॉन के शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे 65 पर स्टॉप लॉस बनाए रखें, क्योंकि 72 प्रति शेयर पर ब्रेकआउट देने पर स्टॉक 80 तक पहुंच सकता है। नए निवेशकों को सुझाव पर सुमीत बगाड़िया ने कहा, नए निवेशक मौजूदा स्तर पर सुजलॉन के शेयर खरीद सकते हैं और स्टॉक 60 से ऊपर होने तक खरीदारी पर गिरावट बनाए रख सकते हैं।

7.2% की दर से बढ़ेगी देश की इकोनॉमी, डेलॉइट इंडिया का अनुमान, सरकार के प्रयास का दिखेगा असर!

नईदिल्ली एजेंसी। आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर है। डेलॉयट इंडिया ने सोमवार को कहा कि मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे और घरेलू नीति सुधारों में निरंतरता से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7 से 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट के अगस्त महीने के भारत इकोनॉमी आउटलुक के अनुसार, केंद्रीय बजट 2024-25 में कृषि उत्पादकता में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, विनिर्माण तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्त तक पहुंच की चुनौती का समाधान करने की दिशा में की गई कई पहलों से आपूर्ति पक्ष की मांग में सुधार, मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

क्या है डिटेल

डेलॉइट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि वर्ष के पहले छह महीनों में अनिश्चितता के दौर के बाद भारत दूसरी छमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज करेगा। आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा गया, मजबूत आर्थिक बुनियाद वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहेगी। शहरी-ग्रामीण उपभोक्ता व्यय अंतर, मुद्रास्फीति तथा रोजगार संबंधी चिंताओं से प्रभावी ढंग से निटपने से महत्वाकांक्षी ग्रामीण उपभोक्ताओं की सामर्थ्य में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। डेलॉइट इंडिया का वृद्धि अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के बराबर है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। यह वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में लगाए अनुमान से अधिक है, जिसमें जीडीपी विस्तार का अनुमान 6.5 से सात प्रतिशत के बीच लगाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

हेल्थकेयर सेक्टर में उतरने की तैयारी में बजाज ग्रुप

देश के इन शहरों में खोल सकता है हॉस्पिटल

नईदिल्ली एजेंसी। करीब 98 साल पुराना बजाज ग्रुप अब हेल्थकेयर सेक्टर में उतरने की तैयारी कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बजाज ग्रुप की योजना एक हॉस्पिटल चेन खोलने की है जिसकी शुरुआत मेट्रो शहरों से होगी। बता दें कि यह ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस में पहले से ही एक्टिव है। आज इस ग्रुप की वैल्यू करीब 1.46 लाख करोड़ रुपए है।

इस ग्रुप के संरक्षक रहे राहुल बजाज का फरवरी 2022 में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद इस बिजनेस हाउस का यह पहला बड़ा विविधीकरण होगा। हेल्थकेयर बिजनेस में उतरने का प्लान अभी शुरुआती चरण में है। बताया जाता है कि हेल्थकेयर बिजनेस के लिए ग्रुप एक नई कंपनी बनाएगा। यह भी पता चला है कि बजाज ग्रुप की कंपनी मुकंद लिमिटेड में कॉर्पोरेट रणनीति के प्रमुख नीरव बजाज इस बिजनेस की देखरेख कर रहे हैं और नई कंपनी का नेतृत्व करने की संभावना है। नीरव, मुकंद के चेयरमैन और एमडी नीरज बजाज के बेटे हैं। वह बजाज ऑटो के चेयरमैन भी हैं।

अंतिम रूप देना अभी बाकी

हेल्थकेयर बिजनेस के लिए निवेश योजनाओं को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एक व्यक्ति ने कहा कि एक बार में बड़ी रकम लगाने के बजाय, समूह व्यवसाय द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के आधार पर चरणों में निवेश करने की संभावना है। सूत्र ने बताया कि नए उद्यम ने मुंबई के लोअर परेल में एक ऑफिस भी बना लिया है। ग्रुप की मुख्य इकाइयों में बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट्स (समूह निवेश फर्म), बजाज ऑटो (2 और 3-पहिया वाहन), बजाज फिन्सर्व (वित्तीय सेवाएं, बीमा), मुकंद इंडस्ट्रीज (स्पेशलिटी स्टील, इंडस्ट्रियल्स), बजाज इलेक्ट्रिकल्स (उपभोक्ता उपकरण) और हरक्यूलिस होइस्ट (मटेरियल हैंडलिंग) शामिल हैं।

ऐसी है मुकंद इंडस्ट्री के शेयरों की स्थिति

अभी मुकंद कंपनी के शेयर की कीमत 179.50 रुपए है। कंपनी से निवेशकों को बहुत अच्छा रिटर्न नहीं मिला है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को करीब 10 फीसदी का नुकसान दिया है। बात अगर एक साल के रिटर्न की करें तो यह भी बहुत ज्यादा नहीं है। एक साल में कंपनी ने। फीसदी से थोड़ा सा ही ज्यादा रिटर्न दिया है। हालांकि 5 साल में कंपनी ने 400 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है।

तनिष्क ने इंडिया कटूर वीक 2024 के शानदार फिनाले की चमक बढ़ाई

नई दिल्ली एजेंसी। भारत का प्रीमियर ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह का एक सदस्य, तनिष्क ने इंडिया कटूर वीक 2024 के शानदार फिनाले में सभी का ध्यान आकर्षित किया। तनिष्क की सबसे बढ़िया कलेक्शन्स और फाल्गुनी शेन पीकॉक के सबसे नए रंग महल कलेक्शन के खूबसूरत मिलाप ने दर्शकों का मन मोह लिया।

ग्रैंड फिनाले में तनिष्क के सबसे बेहतरीन आभूषण प्रस्तुत किए गए। हर एक आभूषण तनिष्क ने भारत का राष्ट्रीय स्थानीय ज्वेलर होने के नाते पिछले तीन दशकों की विरासत के साथ विकसित की गयी कला में उत्कृष्टता का प्रतीक है। इसमें से ही तनिष्क ने कालातीत, फिर भी अनूठे डिज़ाइन्स देने वाला, अग्रणी ब्रांड यह अपनी पहचान बनाई है। तनिष्क के उत्पादों की उत्कृष्टता उनके डिज़ाइन्स के अनूठेपन और कारीगरी में है। पारंपरिक कला और आधुनिक शान का मिलाप दर्शाने वाले सबसे बेहतरीन आभूषण 10 लाख से ज़्यादा भारतीय परिवारों को लगातार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, तनिष्क के उपभोक्ता उनकी विरासत का एक प्रमुख हिस्सा है। आभूषण मार्केट में तनिष्क ने भरोसे का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाया है।

बेस्ट ऑफ़ डायमंड्स से हाल ही लॉन्च किए गए एनचांटेड ट्रेल्स कलेक्शन के ग्लैमर और स्टाइल की नयी परिभाषा रचने वाले, दुर्लभ और असली हीरों से बने आभूषण कटूर वीक में पेश किए गए थे। प्रकृति की खूबसूरती से प्रेरित होकर बनाए गए इस कलेक्शन में नदी की धारा की शान, रोशनी और पानी के खेल, खिलते हुए फूलों के आकर्षण, बेलों की हरकतें और वनों की आवाज़ों की अनोखी अनुभूति ली जा सकती है।

प्रकृति की शांति का प्रतिध्वनि, शांत बहती नदी में आगे बढ़ती जा रही नावों के नृत्य इस कलेक्शन में देखे जा सकते हैं।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में जुलाई में मामूली गिरावट, पीएमआई के आंकड़े जारी

नईदिल्ली एजेंसी। भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जून की तुलना में जुलाई में थोड़ी धीमी रही। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.3 रही जबकि जून में यह 60.5 थी। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''जुलाई में सेवा क्षेत्र की गतिविधि थोड़ी धीमी गति से बढ़ी, नए कारोबार में और वृद्धि हुई जो मुख्य रूप से घरेलू मांग से प्रेरित रही। सेवा कंपनियां आने वाले वर्ष के लिए आशावादी हैं।'' सितंबर 2014 में इस सर्वेक्षण की शुरुआत के बाद से नए निर्यात ठेकों में तीसरी सबसे तेज वृद्धि हुई है, जिसका कारण दुनिया भर से भारतीय सेवाओं की मांग में वृद्धि है। निर्यात ठेकों की प्रमुख मांग ऑस्ट्रिया, ब्राजील, चीन, जापान, सिंगापुर, नीदरलैंड और अमेरिका से रही। सर्वेक्षण में कहा गया, अनुकूल आर्थिक स्थिति और उत्पादन के प्रति आशावादी उम्मीदों ने सेवा कंपनियों में भर्ती को बढ़ावा दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई में 60.7 रहा, जो जून में 60.9 था। एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

गौतम अदाणी के बाद किसके हाथों में होगी अदाणी समूह की बागडोर क्या है उत्तराधिकार का प्लान?

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी 70 साल की दहलीज पार करने के बाद अपने पद से हटने की योजना बना रहे हैं. ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, 62 वर्षीय गौतम अदाणी, मुकेश अंबानी के बाद एशिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी हैं और उनके पास 100 अरब डॉलर से ज्यादा की संपत्ति है.

समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में गौतम अदाणी ने कहा, ÷बिजनेस की स्थिरता के लिए उत्तराधिकार बहुत, बहुत महत्वपूर्ण है. मैंने विकल्प दूसरी पीढ़ी पर छोड़ दिया है क्योंकि परिवर्तन जैविक, क्रमिक और बहुत व्यवस्थित होना चाहिए.÷

ब्लूमबर्ग से बात करते हुए, अदाणी ने बताया कि उन्होंने अपने अरबों डॉलर के साम्राज्य की कमान नई पीढ़ी के हाथों में सौंपने के लिए पूरी योजना बना ली है. रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके बेटे करण (37) और जीत (26) अदाणी और उनके चचेरे भाई प्रणव (45) और सागर (30) अदाणी को फैमली ट्रस्ट के माध्यम से उत्तराधिकारी नामित किया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि गौतम अदाणी के रिटायर होने के बाद, उनके उत्तराधिकारी जीत, करण, प्रणव और सागर अदाणी, ग्रुप के फैमली ट्रस्ट के बराबर लाभार्थी बन जाएंगे. ब्लूमबर्ग ने मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए कहा कि ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में हिस्सेदारी का हस्तांतरण एक गोपनीय समझौते के माध्यम से किया जाएगा.अदाणी ग्रुप की वेबसाइट के अनुसार, गौतम अदाणी के बड़े बेटे करण वर्तमान में अदाणी पोर्ट्स के प्रबंध निदेशक हैं, जबकि छोटे बेटे जीत, अदाणी एयरपोर्ट्स के निदेशक हैं. वहीं, भतीजे प्रणव, अदाणी एंटरप्राइजेज के निदेशक हैं और भतीजा सागर अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक हैं. चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शानदार कमाई के बाद गौतम अदाणी ने बिजनेस की कमान नई पीढ़ी को सौंपने की योजना पेश की है. ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज ने पिछले सप्ताह अपनी क्त्र स्न्न्ब्25 आय रिपोर्ट जारी की. क्त्र स्न्न्ब्25 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 674 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,455 करोड़ रुपये हो गया. अपने नए ऊर्जा व्यवसाय में विस्तार और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश में वृद्धि के कारण, इसने सालाना आधार पर दोगुना लाभ दर्ज किया.अदाणी ग्रुप का कुल बाजार पूंजीकरण 213 अरब डॉलर है, इसके पास बुनियादी ढांचा व्यवसाय, बंदरगाह, शिपिंग, सीमेंट और सौर ऊर्जा क्षेत्रों सहित शेयर बाजार में लिस्टेड 10 कंपनियां हैं.

नए इब्लू फियो एक्स को किया लॉन्च

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने अपने ईवी टू-व्हीलर पोर्टफोलियो का विस्तार किया

भोपाल। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स, जो इब्लू रेंज के इलेक्ट्रिक 2 और 3-व्हीलर्स के निर्माता हैं, ने आज भारत के पहले फैमिली ई-स्कूटर, इब्लू फियो एक्स का एक नया वेरिएंट लॉन्च किया। यह भारत में कंपनी का ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट में दूसरा उत्पाद है। इब्लू फियो एक्स का अनावरण भारत ग्लोबल मोबिलिटी एक्सपो 2024 में किया गया था। इब्लू फियो एक्स को अब 28 लीटर स्टोरेज स्पेस के साथ पेश किया जाएगा। यह ई-स्कूटर 2.36 द्मख्र्ण्ड्ड बैटरी के साथ आता है और 110 किमी की रेंज प्रदान करता है। इब्लू फियो एक्स की कीमत द्धह्यक्र99,999 (एक्स-शोरूम) निर्धारित की गई है।

लॉन्च के अवसर पर गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के सीईओ श्री हैदर खान ने कहा, इब्लू फियो एक्स को हमारे मौजूदा उत्पाद पर ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर डिज़ाइन किया गया है, जिसमें समय रहित डिज़ाइन और उच्चतम आराम पर ध्यान केंद्रित किया गया है। फियो एक्स प्रदर्शन और सुरक्षा का एक बेहतरीन मिश्रण है और यह पैसे के लिए शानदार मूल्य प्रदान करता है। ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट में हमारे विस्तार के साथ, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स भारत में अगली पीढ़ी की मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा, हम अपने मौजूदा ईवी उत्पादों के प्रति प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं और एक मजबूत रिटेल नेटवर्क के साथ, हम एक व्यापक ग्राहक आधार की मांग को पूरा कर सकते हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट ने उल्लेखनीय प्रगति की है, और हमें विश्वास है कि इब्लू फियो एक्स अगली पीढ़ी के खरीदारों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करेगा। इब्लू फियो एक्स के 500 प्री-ऑर्डर हमारे ब्रांड में ग्राहकों के विश्वास को दर्शाते हैं।

वनमाली जयंती समारोह में पुस्तक लोकार्पण एवं रंग संगीत का आयोजन

भोपाल। वरिष्ठ साहित्यकार जगन्नाथ प्रसाद चौबे के जन्मदिवस पर वनमाली जयंती समारोह का आयोजन गुरुवार को स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के सभागार में किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में संतोष चौबे द्वारा संपादित किताब ÷कला का आदर्श ङ्क वनमाली-कुछ निबंध कुछ विचार÷ का लोकार्पण एवं रंग संगीत का आयोजन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. श्रीराम परिहार रहे, आत्मीय सान्निध्य मुकेश वर्मा, अध्यक्षता संतोष चौबे ने की। विशिष्ठ अतिथि के तौर पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, वहीं वक्ताओं में बलराम गुमास्ता, डॉ. विजय पगारे और विनय उपाध्याय शामिल रहे।

समारोह की शुरुआत जगन्नाथ प्रसाद चौबे जी को श्रद्धांजलि देकर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद संतोष चौबे द्वारा संपादित किताब ÷कला का आदर्श ङ्क वनमाली-कुछ निबंध कुछ विचार÷ का सभी अतिथियों ने लोकार्पण किया। यह पुस्तक वनमाली जी के जीवन पर आधारित है जिसमें उनके जीवन के प्रसंग और उनके साहित्य की झलक देखने को मिलती है। कार्यक्रम में वनमाली पत्रिका के जून माह के अंक का लोकार्पण भी किया गया।

अपने वक्तव्य में जगन्नाथ प्रसाद चौबे के स्टूडेंट रहे डॉ. विजय पगारे ने उनके साथ के अपने अनुभवों को याद किया और बताया कि जगन्नाथ प्रसाद चौबे उनके प्रिंसिपल थे। अनुशासन, ईमानदारी, कर्मनिष्ठा उनके व्यक्तित्व के प्रमुख गुण थे। इन्हीं गुणों का विकास वे छात्रों में करने का प्रयास करते थे। इसके लिए छात्रों को वे अक्सर विभिन्न प्रकार के कार्यों से जुड़े और अनुभवों से जीवन की सीख देते।

वहीं वरिष्ठ उद्घोषक एवं कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने वनमाली जी पर किए अपने शोध की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने वनमाली जी के 100 से अधिक विषयों को ढूंढा और उनके जीवन का एक डेटा तैयार किया। इस कार्य के दौरान वनमाली जी के व्यक्तित्व और जीवन की कई बातें एवं अनुभवों का दस्तावेजीकरण हुआ। आगे उन्होंने कहा कि वनमाली जी एक आदर्श पुरुष और शिक्षक थे। वनमाली जी को याद करना मतलब आत्म तलाश करना।

साहित्यकार बलराम गुमास्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि उन्हे कहानी लिखने की प्रेरणा जगन्नाथ प्रसाद चौबे से मिली। आगे उन्होंने साहित्य एवं कला पर चर्चा करते हुए कहा कि कहानियों में जिस तरह से आवेग, गति और शब्दों को पिरोया जाता है वह भी एक कला है।

कला आत्मा की उपज है।

मुख्य अतिथि श्री राम परिहार ने कहा कि वनमाली जी सभी के आदर्श थे, संस्कृति पुरुष थे। वनमाली जी के आदर्शों को सभी छात्रों को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

मुकेश वर्मा जी ने बताया कि उनकी कहानियों में रूचि थी तब वनमाली जी के बारे में पता चला था। उन्होंने बताया कि वनमाली जी ने लेखन कला की शैली में बदलाव किया। व्यंग्य को जोड़ा जिसके चलते व्यंग्य कथा के प्रथम पुरुष थे वनमाली जी।

भगवान त्र्यम्बकेश्वर ज्योर्तिलिंग का हुआ अभिषेक

छिंदवाड़ा। शहर के हृदय स्थल में स्थित श्री राम मंदिर में श्रावण माह में प्रतिदिन रूद्राभिषेक कराया जा रहा है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु अभिषेक के लिए पहुंच रहे है। सावन के तीसरे सोमवार को मंदिर समिति द्वारा महाराष्ट्र-प्रांत के नासिक जिले विराजमान भगवान त्र्यम्बकेश्वर ज्योर्तिलिंग की प्रतिकृति शिवलिंग बनाई गई। यह शिंवलिंग पूरे माह भक्तों के दर्शन हेतु मंदिर में विराजित होंगे। सावन के तीसरे सोमवार को श्री रामलीला मंडल के अध्यक्ष अरविंद राजपूत मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही मंदिर समिति द्वारा प्रतिदिन दिन यजमानों से अभिषेक कराया जाता है, जिसके लिए मंदिर के पुजारी पंडित नंदकिशोर शास्त्री से संपर्क करके निशुल्क पंजीयन कराया जा सकता है ।

वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे किराया में रियायत दी जावे

समाज सेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने लिखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र

छिंदवड़ा। वर्ष 2020 कोरोना काल के पूर्व वरिष्ठ नागरिकगण जिनकी उम्र 60 वर्ष के ऊपर है, उन सभी कों

सरकार के द्वारा रेल्वे किराया में आधे किराया की रियायत दी जाती थी। चुकि कोरोनाकाल के उपरांत यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। एक वयोवृद्ध बुजुर्ग इंसान वो ना ही कोई नौकरी या काम धंधा कर पाता है. इस महंगाई के जमाने में जैसे तैसे वह अपना एवं अपने परिवार का पालन पोषण कर पाता है। भारत देश में 80 से 90 फ़ीसदी ऐसे व्ययोवृद्ध बुजुर्ग जिनके स्वास्थ्य आए समय खराब होने के कारण या गंभीर बीमारी के कारण उपचार करवाने के लिए बड़े शहरों में जाना होता है ऐसी अवस्था में उन्हें रेलवे से आवागमन करना होता है तो पूरा किराया भरना होता है जो कि सभी के लिए यह सम्भव नहीं होता है। समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से करबद्ध निवेदन किया हैं कि वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में आप पूर्व के अनुसार रेलवे किराया में आधे का किराया देना प्रारंभ करें जी आपकी अति महती कृपा होगी। जिससे भारत देश के समस्त वयोवृद्ध बुजुर्गो को इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में छत निर्माण में लोगों ने किया श्रमदान

अमरवाड़ा। नगर के थाने के सामने स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में मैं छत का निर्माण हो रहा है जिसमें बड़ी संख्या में आसपास के लोगों ने लेटर के दौरान अपना श्रमदान कर सहयोग किया है जानकारी के अनुसार हनुमान जी का एक छोटा मंदिर था अब वहां पर एक बड़ा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है जिसके बाद चारों तरफ स्टील की ग्रिल लगाई जाएगी इस दौरान सभी लोगों ने अपना सहयोग किया है और अमरवाड़ा विधायक कमलेश प्रताप शाह ने भी मंदिर निर्माण में सहयोग राशि प्रदान की है।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना

छिंदवाड़ा। आप सभी से अनुरोध है कि कोई ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों या उनके माता या पिता किसी एक कि मृत्यु 01 मार्च 2020 के बाद हो गई है और बच्चों कि उम्र 18 वर्ष से कम है, तो ऐसे परिवारों के दो बच्चों को प्रत्येक को 4000/= प्रतिमाह मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत मिलेगा। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ दिलाये। फार्म भरकर कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई/जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय में जमा कराये। इस पुण्य कार्य में भागी बने ! सभी लोगों से अनुरोध है कि यह फार्म कम से कम 10 -10 लोगो को भेजिये, सबको जानकारी देकर किसी बच्चे को लाभ दिलाया जा सकता है।

कुशाग्र राने ने नीट में प्राप्त किए 636 अंक

छिंदवाड़ा। नगर के चंदनगांव निवासी दीपक राने एवं नीतू राने के सुपुत्र कुशाग्र राने द्वारा मेडिकल कालेज एमबीबीएस के प्रवेश हेतु भारत में आयोजित होने वाली

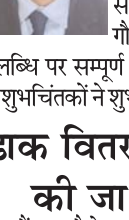

नीट परीक्षा में 720 अंक में से 636 अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की ओर छिंदवाड़ा का गौरव बढ़ाया, कुशाग्र ने इसी वर्ष कक्षा 12 वीं में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए जिससे राने परिवार सहित पूरा समाज एवं छिंदवाड़ा गौरवांवित हुआ, कुशाग्र राने की उपलब्धि पर सम्पूर्ण शिक्षा जगत सहित सर्वोदय अहिंसा एवं शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

डाक वितरण में पोस्टमैन द्वारा की जा रही लापरवाही

सौंसर। वैसे इस मोबाइल युग में संदेशों आदान प्रदान पत्र व्यवहार से बहोत कम होता है और जो हो रहा है उसे भी ठीक से करने में विभाग में कार्यरत कर्मचारी अपना दायित्व नही समझते जो डाक में पत्र आते है उसे डाक तार विभाग मे कार्यरत पोस्टमैन लापरवाही करते है जिससे गंतव्य स्थल तक डाक नही पहुंच पा रही है इस संबध मे हाल ही रेल्वे चौंकी के समीप निवास रात व्यक्ति की डाक पोस्टमैन ने सम्भतित व्यक्ति को न देकर सीढियो पर फेक दिया इस समय बरसात का मौसम है बारिश से सीढ़ियों पर पड़े पत्र भीग जाते तो सम्भतित व्यक्ति को परेशानी उठानी पड़ती थी इस सभी डाक पर संभस्थित पोस्ट ऑफिस की सील भी लगी नही है जबकि पोस्ट ऑफिस की वितरण की सील लगाना चाहिए थी इस संबध में पोस्ट ऑफिस कार्यालय में पोस्ट मास्टर को शिकायत करने पर उसने भी अपने जवाबदारी से पल्ला झाड़ लिया क्या संबंधित अधिकारी इस और ख्याल देकर जनता को राहत पहुंचाने का प्रयास करेंगे

हवलदार के 22 वर्षीय बेटे ने लगाई फांसी

छिंदवाड़ा। पुलिस के हेडकॉन्सटेबल के 22 साल के बेटे ने अपने ही घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को आज सुबह ही घटना का पता चला जब उसके कमरे का दरवाजा देर तक नही खुला। परिवार तो यह समझ रहा था कि बेटा सो रहा है लेकिन यह नही पता था कि वह हमेशा के लिए सो गया है। अचानक ही हेडकॉन्सटेबल के परिवार पर बेटे की मौत का कहर टूट पड़ा है।जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा सिटी के कुंडीपुरा थाना में पदस्थ हेड कांस्टेबल महेश उड़के खापाभाट में रहते हैं। सुबह ड्यूटी जाने की तैयारी में थे कि उनके बेटे आयुष का कमरा ना खुलने पर दरवाजा तोड़ दिया गया। देखा तो कमरे में 22 वर्षीय बेटे का शव फांसी पर लटका था। यह देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। आयुष ने कब फांसी लगा ली इसकी भनक तक परिवार जनों को नही लगी। घटना की खबर तत्काल ही धरमटेकड़ी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे का मुआयना किया और शव को फंदे से उतारकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। आयुष में अचानक ही आत्महत्या जैसा कदम क्यो उठा लिया परिवार वाले भी कुछ बताने की स्थिति में नही हैं।

धरमटेकड़ी चौकी प्रभारी एस आई महेंद्र शाक्य ने बताया कि कुंडीपूरा थाना में पदस्थ हेडकॉन्सटेबल महेश उइके के 22 साल के पुत्र आयुष उइके ने अपने ही घर के कमरे में फांसी लगा ली हैं। घटना का अभी कोई ठोस कारण सामने नही आया है। परिवार जनों ने बयान में बताया कि आयुष शराब के नशे का आदि था। आज सुबह देर तक आज उसने दरवाजा नहीं खोला था। तब दरवाजा तोड़कर देखा गया तो वह फांसी लगाकर आत्महत्या कर चुका था। हालात बता रहे थे कि वह रात को ही फांसी लगा चुका था। परिवार वालो को कमरा ना खुलने पर फिक्र हुई तब घटना का पता चला। धरमटेकड़ी पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

डायल 100 ने बचाई युवक जान

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के दिशा निर्देशन में थाना बिछुआ क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते 25 वर्षीय युवक ने किया जहरीले पदार्थ का सेवन करने पर उसे तत्काल डायल-100 पुलिस सेवा ने पहुँचाया अस्पताल मिला उपचार। जिला छिंदवाड़ा के थाना बिछुआ के अंतर्गत एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना पर पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल में दिनाँक 04-08-2024 को रात्रि 10-30 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल छिंदवाड़ा जिले के बिछुआ थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-100 स्टाफ आरक्षक जयंत राजपूत एवं पायलट राजेश साहू ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते 25 वर्षीय युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था । डायल- 100 स्टाफ ने पीड़ित युवक को एफ़.आर. व्ही वाहन से ले जाकर शासकीय अस्पताल बिछुआ मे भर्ती करवाया जहाँ युवक को समय पर उपचार मिला।

नाबालिक लड़की को भगाकर ले जाने वाला यश गिरफ्तार; भेजा जेल

छिंदवाड़ा। उमरानाला थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी प्रार्थी महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि इसकी 16 साल की नाबालिक लड़की को किसी ने बहला फुसलाकर ले गया है। रिपोर्ट उपरांत पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवदेश प्रताप सिंह के कुशल मार्गदर्शन और एसडीओपी प्रियंका पांडे के निर्देशन पर टीम गठित कर साइबर सेल की सहायता से राजस्थान से अपहर्ता को दस्तयाब किया गया। जो अपहर्ता के बयान के आधार पर कर परिवार को सुपुर्द किया गया आरोपी के विरुद्ध धारा 366, 376 द्बश्ष ओर पोक्सो ड्डष्ह्ल की धाराओं के तहत, आरोपी यश मंडरा निवासी चंदनगाव को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में उप निरीक्षक महेन्द्र भगत, उप निरीक्षक अरविंद बघेल, द्बष्शिवकरण पांडे, ष रोहित की मुख्य भूमिका रही है।

बुखार पीड़ितों के लिए आरोग्य ने शुरू की स्पेशल फीवर क्लिनिक

मात्र 100 रुपये में मरीजों की जांच करेंगे डॉक्टर, दवाइयों, पैथालॉजी जांच में भी मिलेगी छूट

छिन्दवाड़ा। जिले में अपनी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम से इलाज करने के लिए प्रसिद्ध आरोग्य मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल ने बुखार पीड़ितों के लिए स्पेशल फीवर क्लिनिक खुला है। ध्यान रहे इन दोनों मौसमी बीमारियों के चलते वायरल से लेकर कई तरह के बुखार से लोग पीड़ित हो रहे हैं इसी को देखते हुए आरोग्य ने शहर सहित आसपास के लोगों को इसका इलाज सुलभ कराने का निर्णय लिया है। परासिया रोड स्थित आरोग्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में विशेष फीवर क्लिनिक बनाया गया है। जहां एमबीबीएस योग्यता धारी चिकित्सा सिर्फ ?100 में बुखार से पीड़ित मरीजों की जांच करेंगे। बीमार और ज़रूरतमंदों को इलाज जल्द और बेहतर मिले इसके लिए इस फीवर क्लिनिक की शुरुआत की गई है। जानकारी देते हुए आरोग्य हेल्थकेयर हॉस्पिटल के डारेक्टर दीपक खंडेलवाल ने बताया कि जिले में अभी डेंगू ,मलेरिया वायरल फीवर,उल्टी दस्त का प्रकोप फैला हुआ है। इससे पीड़ित लोगों को तुरंत उपचार की जरूरत होती है इसलिए आमजनो के लिए फीवर क्लिनिक प्रारम्भ करने का फैसला लिया है जिससे बीमारों और ज़रूरतमंदों की मदद हो सके।

सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहेगी क्लीनिक

आरोग्य हॉस्पिटल में स्पेशल फीवर क्लीनिक सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक संचालित की जायेगी। इसमें योग्य विशेषज्ञ स्ब्ब्रह्य डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। फीवर क्लीनिक की ह्ळ्क्क की फीस मात्र 100 रुपये रखी गई है। इसके साथ ही सभी प्रकार की जांचों में 25 प्रतिशत और दवाइयों में 20 प्रतिशत कई छूट प्रदान की जा रही है।

कुंवर विराट प्रताप शाह ने मनाया जन्मदिन

अमरवाड़ा। राजमहल हर्रई के युवराज कुंवर विराट प्रताप शाह का जन्मदिन हर्षोल्लास एवम् धूमधाम से मनाया गया। पवित्र श्रावण मास के शुभ अवसर पर कुंवर विराट ने आदिनाथ शिव का

अभिषेक एवम् मंदिरों में पूजन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। नगरवासियों ने बस स्टैंड में आतिशबाजी कर भव्य जन्मदिन मनाया। कुंवर विराट प्रताप शाह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रई में भर्ती मरीजों को अपने हाथों से फल एवम् बिस्किट प्रदान किए। श्रावण मास में शुभ सोमवार को भक्त भगवान शिव की आराधना एवम् विविध प्रकार से भोलेनाथ की साधना,उपासना में लीन हैं, नगर एवम् क्षेत्रवासियों को फलाहार खिलाकर हजारों श्रद्धालुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर परिवारजनों,इष्ट मित्रों एवम् शुभचिंतको ने व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम एवं दूरभाष पर अमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रानी माधवी शाह के सुपुत्र कुंवर विराट प्रताप शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर उत्तम स्वास्थ्य, उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु जीवन की कामनाएं की।

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक...

अवैध कॉलोनाइजर्स पर एफआईआर कराने के निर्देश

बाढ़ की स्थिति में बेहतर आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने निर्देश दिए कि लगातार हो रही वर्षा और पुल-पुलियों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सभी एसडीएम और फील्ड अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। किसी भी घटना दुर्घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मौका स्थल पर पहुंचें। एसडीआरएफ की टीम भी पूरी तैयारी के साथ हर समय अलर्ट मोड पर रहे। रेस्क्यू की स्थिति में एक अतिरिक्त रेस्क्यू बोट सभी सुरक्षा उपकरणों के साथ उपलब्ध रखें। अधीक्षक भू-अभिलेख बाढ़ प्रभावित सभी पुल पुलियों और क्षेत्रों की सूची पुलिस अधीक्षक के साथ तत्काल साझा करें। बाढ़ प्रभावित पुल पुलियों पर पहले से समुचित बैरिकेडिंग, ड्रॉप गेट आदि लगवा कर रखें और आवश्यक साइन बोर्ड भी लगवाएं व पुल पुलियों के ऊपर से पानी बहने की स्थिति में आवागमन न हो, यह सुनिश्चित कराएं। लोगों को इससे परेशानी जरूर हो सकती है, लेकिन किसी की जान न जाए यह सुनिश्चित कराएं। जिनकी भी ड्यूटी लगाई गई है, उनकी शिफ्ट के अनुसार उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कट्टा नदी पर हुई दुर्घटना के संबंध में फीडबैक देते हुए बताया कि पुल के सभी पाइप खुले हुए नहीं थे, जिससे बहाव एक तरफ ज्यादा था। सड़क संबंधी सभी विभाग यह सुनिश्चित कराएं कि सभी पुल पुलियों के सभी पाइप खुले हुए हो, झाड़ियां, कचरा आदि के कारण बहाव रुका हुआ न हो। प्राथमिकता यह रहे कि इस तरह की कोई भी घटना आगे न घटे, पहले से बचाव की पूरी तैयारी रखें। माचागोरा क्षेत्र में भी विशेष ध्यान दें। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को बाढ़ के दौरान आपदा नियंत्रण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने भी कहा कि जब भी पानी किसी पुलिया या पुल से ऊपर पहुंचे तत्काल इसकी सूचना जिला कंट्रोल रूम को दें। सब डिवीजन स्तर पर एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर सभी संबंधितों को उसमें जोड़ लें। खतरनाक पुल पुलिया चिन्हांकित कर वहां स्टॉपरलगवा दें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की सभी विभाग प्रमुख इस माह सीएम हेल्प लाइन शिकायतों के निराकरण में विशेष ध्यान दें, पिछले माह की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। सीएम कार्यालय और सीएम निवास से प्राप्त आवेदनों और विभिन्न आयोगों से प्राप्त लंबित पत्रों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही की जाए।

का चयन कर उसका निरीक्षण करना सुनिश्चित करें, जिससे जिले के शासकीय स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। उन्होंने बैठक में प्रत्येक जिला अधिकारियों से एक-एक कर गत सप्ताह किए गए स्कूल निरीक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं फीडबैक लिए। उन्होंने सभी ब्लॉक के कम से कम एक कॉलेज में पी.एस.सी.परीक्षा की तैयारी के लिए कक्षाओं का संचालन प्रारंभ कराने के निर्देश भी सभी एसडीएम को दिए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी विभाग प्रमुख स्वयं भी अपने मुख्यालय में रहें और अपने कार्यालय के सभी शासकीय सेवकों का निवास भी उनके मुख्यालय में सुनिश्चित कराएं।

जंगलो में नागद्वार यात्रा के प्रमुख 12 प्राकृतिक स्थलों के भ्रमण

15 सदस्यीय ट्रेकिंग दल ने ट्रेकिंग के दौरान दुर्गम, रोमांचकारी, आध्यातमिक एवं वर्षा से भीगे घने जंगलो को देखा

छिंदवाड़ा। वाई एच ए आई सतपुड़ा यूनिट छिंदवाड़ा के नागद्वार ट्रेक डायरेक्टर मोहित सूर्यवंशी के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंटरनेशनल यूथ हॉस्टल्स फेडरेशन से संबद्ध ङ्घ॥ढ्ढ मध्यरादेश राज्य शाखा भोपाल के स्थापना के स्वर्ण जयंती उपलक्ष्य में युवाओं को साहसिक गतिविधियों के माध्यम से रियायती दर पर ज्ञानवर्धक प्राकृतिक भ्रमण की सामाजिक संस्था की सतपुड़ा इकाई जिला छिंदवाड़ा के द्वारा अपने युवा ऊर्जावान ,अनुभवी चेयरमैन प्रदीप वाल्मीकि (सतुपुड़ासिंघम) के प्रेरक मार्गदर्शन में जिला स्तर पर अनेक पर्यटन स्थलों पर मासिक रूप से ट्रेकिंग गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही है, इसी क्रम में विगत दिवस 1 अगस्त 2024 को सतपुड़ा की विहंगम वादियों में स्तिथ सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी नागद्वार क्षेत्र के सतपुड़ा इकाई छिंदवाड़ा द्वारा एक

दिवसीय साहसिक ट्रेकिंग अभियान का भव्य आयोजक किया गया, दिनाक 31 अगस्त 2024 को सतपुड़ा इकाई छिन्दवाड़ा के इकाई कार्यालय ई एल सी कंपाउंड,नागपुर रोड़ में ट्रेकिंग अभियान दल के 15 सदस्यीय दल को इकाई के जिला फाउन्डर सदस्य सुरेशचंद्र सालोडकर, इकाई अध्यक्ष मनोज सोनी , सह सचिव अनिल महरोलिया द्वारा द्वारा हरी झंडी दिखाकर,4ढ्ढद्गढ्ढ संस्था कैप पहनाकर शुभकामनाओं सहित आवश्यक दिशा निर्देशों के पश्चात नागद्वार ट्रेक हेतु रवाना किया गया। नागद्वार ट्रेकिंग अभियान दल में प्रमुख रूप से पंकज सेन, आजाद सिंह, भोपाल ,जितेंद्र फटिंग , दलजीत सिंह नागपुर ,सुमेध वासनिक ,नागपुर, मयूर ठाकुर , प्रिंस मिश्रा , शिवानी गुप्ता, अभिलाष ठाकरे, श्री राजेंद्र कुमार सातपुते बैतूल, रूपेश कुमार बैतूल,शुभम बड़ोनिया ट्रेकिंग दल छिंदवाड़ा से प्रस्थान करके सर्वप्रथम दल तामिया व्यू पॉइंट पहुंचा जहां सभी सदस्यों द्वारा तामिया पहाड़ियों के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया, तत्पश्चात स्थानीय सांस्कृतिक परंपरागत व्यंजन मक्के की रोटी का स्वाद लेकर पचमढ़ी की ओर प्रस्थान किया । पचमढ़ी में सभी सदस्यों के लिए रात्रि भोजन /विश्राम उपरांत रात्रि अगले दिन तड़के सुबह 5 बजे से ही नागद्वार ट्रेक के प्रारंभिक बिंदु जलगली से प्रारंभ की गई,जलगली से दल नागफनी, धूपगढ़ पहुंचा जहां भजिया गिरी से विस्थापित प्राचीन वन ग्राम काजरी के ट्रेकिंग दल की कठिन यात्रा प्रारंभ हुई, काजरी पहुंचने का मार्ग तीखी ढलान वाला रहा, काजरी से ट्रेकिंग दल द्वारा नागद्वार के मुख्य मंदिर पदमशेष,चंदन शेष,भृदशेष, नागदेव की पवित्र गुफा में शिवलिंग के दर्शन किए। भदृशेष नागदेव गुफा के ठीक ऊपर से कल कल बहते प्राकृतिक झरने के सौंदर्य का लुत्फ लिया, मुख्य मंदिर पदमशेष से अभियान दल पंचमुखी गुफा पहुंचा उसके बाद दल पश्चिम द्वार के लिए प्रस्थान किया । पश्चिम द्वार पहुंच कर यहां के सुंदर झरने एवं गहरी गुफा में देव दर्शन उपरांत स्वर्ग द्वार की खड़ी चढ़ाई बड़ी बड़ी लोहे की सीढ़ियों से जोखिम पूर्वक करके दल स्वर्ग द्वारा पहुंचे। स्वर्ग द्वार में बहुत सुदर प्राकृतिक दृश्य , गुफा एवं मनमोहक झरनों को देखकर सभी सदस्यों की थकान दूर हो गई । स्वर्ग द्वार से निकलकर चिंतामण गुफा में नागदेव के दर्शन किए। यहां सभी तीर्थ यात्रियों के लिए स्वयंसेवी धर्म मंडल द्वारा इस दुर्गम क्षेत्र में विशेष आवास सुविधा बनाई गई है। चिंतामण से ट्रेकिंग दल चित्रशाला दर्शन जाने के लिए अभियान दल को पुनः बड़ी बड़ी सीढ़ियों का सहारा लेकर चढ़ना पड़ा, जो कि बहुत ही रोमांचकरी क्षण साबित हुए, चित्रशाला गुफा से नंदीगढ़ एवं सतपुड़ी के जंगलों का विहंगम प्राकृतिक दृश्य दर्शन अद्भुत रहा। चित्रशाला से दूधधारा जलप्रपात दो झरनों का संगम स्थल है यहां पंहुच कर सभी सदस्यों ने जलप्रपात के साथ तस्वीर भी ली एवं यहां सुखद समय व्यतीत करने के उपरांत दूधधारा जलप्रपात इस यात्रा का अंतिम दर्शनीय स्थान दमगढ़ पहाड़ की कठिन चढ़ाई प्रारंभ की और शाम होते भजिया गिरी होते पचमढ़ी होते वापस अभियान दल देर रात्रि सफलतापूर्वक नागद्वार दुर्गम ट्रेक उपरांत छिंदवाड़ा वापिस आया। आदि ने अपनी सक्रिय सहभागिता दी,नागद्वार के इस दुर्गम ट्रेक के डायरेक्टर के रूप में मोहित सूर्यवंशी, को ट्रेक डायरेक्टर दीनानाथ पवार एवं ऑब्जर्वर सचिव हिमांशु जायसवाल रहे,

शिविर में 78 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया

परासिया । नगर परिषद चांदामेटा के पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय जमालुद्दीन सिद्धिकी के सुपुत्र एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि तौसीप सिद्धिकी के जन्म दिन पर प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र चांदामेटा में नेत्र शिविर लगाया गया। शिविर में 78 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया । सभी मरीजो को दवाइया एवं ड्राफ् का वितरण किया गया। एवं 29 नेत्र रोगियों को देव जी नेत्रालय जबलपुर ऑपरेशन के लिए भेजा गया । नेत्र परीक्षण डॉक्टर विकास विश्वकर्मा के द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बसन्त मालवी शेफ खान विक्की बावरिया हरसिल खान ताजिल खान शेख बावुश राजू वनवंशी बिलाल कुरैशी हरि नागवंशी मोहम्मद शकील युनुश खान सिविल हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ उपस्थित थे तोशिफ सिद्दीकी ने बताया कि आगे भी ग्रामीण क्षेत्रो में शिविर लगाया जाएगा । तोशिफ सिद्दीकी ने सभी का आभार माना ।

लाड़ली बहनों रक्षाबंधन के पूर्व 10 को मिलेगा उपहार

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं के लिए प्रस्तावित आभार सह उपहार कार्यक्रम श्रवण मास में रक्षाबंधन के पूर्व 10 अगस्त 2024 दिन शनिवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत) में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थानीय जन प्रतिनिधियों, सांसदगण, विधायकगण, नगर निगम महापौर, नगर पालिका पार्षद, नगर पंचायत अध्यक्ष/पार्षद, जिला पंचायत व जनपद पंचायत के अध्यक्ष/सदस्य, ग्राम पंचायतों के पंच-सरपंच आदि की उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की थीम रक्षाबंधन सावन उत्सव पर केंद्रित होगी। कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण होगा एवं स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा तथा प्रतिभागियों को शासकीय हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। जन-प्रतिनिधि स्थानीय लाड़ली बहनों से राखी बंधवाएंगे । लाड़ली बहनों द्वारा भी अपने उद्बोधन दिये जायेंगे । कलेक्टर श्री सिंह ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, नगरपालिक निगम आयुक्त, सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी, सभी जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सभी परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को कार्यक्रम हर्षोउल्लास के साथ किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं ।

इंजीनियरिंग सोसायटी के सदस्यों को सांसद ने दिलाई शपथ

परासिया। विगत दिवस छिंदवाड़ा जिले में भी जैन इंजीनियरिंग सोसायटी का गठन राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया, ज्ञात हो कि यह सोसायटी तकनीक के क्षेत्र में एन जी ओ के रूप में समाज एवं देश के लिए काम करती है। उल्लेखनीय बात यह है कि- जैन इंजीनियरिंग सोसायटी का अध्यक्ष परासिया निवासी संदीप जैन को बनाया गया। नवगठित कार्यकारिणी को छिंदवाड़ा जिले के सांसद बंटी साहू एवं सकल जैन समाज के अध्यक्ष भरत जैन के मुख्य आतिथ्य में शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर जैन इंजीनियरिंग सोसायटी के राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि-हमारी सोसायटी की देश एवं प्रदेश में लगभग 30 शाखायें काम कर रही है छिंदवाड़ा शाखा 31 वी शाखा होगी जिसके माध्यम से हम शासन और प्रशासन को तकनीकी सलाह देने का काम करेंगे। इस अवसर पर सांसद एवं भरत जैन ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हरीपुरा में वात्सल्य स्कूल के सामने ब्लड चेक कैंप शुरू

सांध्य प्रकाश, विदिशा। सर्वाधिक निशुल्क ब्लड ग्रुप चेक करके परिचय कार्ड बनाकर देने का विश्व रिकार्ड बनाने अंतिम सेवक विकास पचौरी द्वारा किए जा रहे प्रयास के अंतर्गत हरिपुरा विदिशा स्थित वात्सल्य स्कूल परिसर के सामने ब्लड चेक कैंप लगाया गया है। यहां पर आने वाले 6 दिनों तक सभी उम्र के बच्चे, महिला, पुरुष एवं बुजुर्गों का बिल्कुल फ्री में ब्लड ग्रुप चेक करके परिचय कार्ड बनाकर दिए जाएंगे। इस कैंप में सुबह 9 बजे से शाम 6 तक के समय में आकर बिल्कुल फ्री में ब्लड ग्रुप चेक करवाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि विकास पचौरी पूर्व में ढ़ाई लाख से अधिक निशुल्क ब्लड ग्रुप चेक करके एक विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। अपने ही बनाए रिकॉर्ड को तोड़ने यह सेवा अभियान चलाया जा रहा है।

एसपी ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

गुनगुन को मौत के मुंह में धकेल फरार हुई मुस्कान को पुलिस ने पकड़ा

सांध्य प्रकाश,विदिशा। । सोमवार को एसपी दीपक शुक्ला ने पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेसवार्ता के जरिए 10 जून को तलैया मोहल्ला निवासी गुनगुन उर्फ नेहा रजक को मरणासन्न हालत में छोड़कर भागी उसकी सहेली मुस्कान राजपूत को गिरफ्तार करने की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि 10 जून को मुस्कान ने गुनगुन को रेलवे ट्रैक पर गंभीर रूप से घायल कर छोड़ दिया था ताकि वह किसी ट्रेन की चपेट में आ सके और उसकी मौत हो जाए। इतना ही नहीं मुस्कान ने अपना बैग अपना सुसाइड नोट और परिवार का मोबाइल नंबर भी घायल गुनगुन के पास छोड़ दिया और वहां से भाग खड़ी हुई। इस पूरे प्लान में मुस्कान के साथ एक और खिलाड़ी हरिओम साथ रहा। मुस्कान को विदिशा से भागने के बाद अलग-अलग जगह पर रूकने और वहां रुकने में हो रहे खर्च की मदद हरिओम द्वारा ही की गई थी। हालांकि यह भी बताया गया कि जिस वक्त मुस्कान ने गुनगुन पर हमला किया था उस वक्त हरिओम घटना स्थल पर मौजूद नहीं था, लेकिन प्लानिंग में साथ था।

शुरुआती दौर में मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि मुस्कान 25 मई को भी घर से भागी थी, 28-29 तारीख को खुद व खुद वापस आ गई थी। अपने परिवार से दूर रहने और खुद के नाम को खत्म करने के लिए बेकसूर गुनगुन रजक को अपना मोहरा बनाया, लेकिन गुनगुन बच गई और मुस्कान लंबे समय तक दिल्ली, मथुरा, वृंदावन, हरिद्वार और अन्य जगहों पर घूमती रही। जिसकी तलाश में विदिशा पुलिस भी घूमती रही।

आखिरकार उसे रविवार को बीना रेलवे स्टेशन पर जीआरपी की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश के लिए 10000 का इनाम भी घोषित किया गया था। मुस्कान राजपूत की गिरफ्तारी की जानकारी गुनगुन रजक और उसके परिवार को दी गई तब गुनगुन का कहना है कि पुलिस उसे सजा दे या फिर कुछ देर के लिए उसके हवाले कर दे जो घाव मुस्कान ने उसे दिए हैं, वह उसकी हालत वैसी ही करना चाहती है। गुनगुन की मां ने भी इंसाफ की मांग की है। वहीं इस मामले में गुनगुन की मां का कहना है कि मुस्कान ने उनकी बेटी की यह हालत की है कि वह न जी सकती है और न ही मरने में है। गुस्से का आवेग इतना था कि उनकी मां ने मुस्कान के साथ भी ऐसा ही करने की मांग की है जैसा उनकी बेटी के साथ मुस्कान ने किया है।

आरजीपीव्ही के स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी भूख हड़ताल बैठे

भोपाल। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के बैनर तले राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मी अपनी आठ सूत्रीय मांगों के समर्थन में प्रातः 11 बजे से विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर भूख हड़ताल बैठे गये हैं।

गूगल लाल, कर्मचारी समिति के अध्यक्ष अमर अहिरे ने आज भूख हड़ताल शुरू की। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे

ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मी पिछले एक माह से विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर 8 सूत्रीय मांगों के निराकरण करने की मांग कर रहे हैं लेकिन विश्वविद्यालय के रजिस्टर डॉक्टर मोहन सेन ने मांगों को लेकर तानाशाही रवैया अपना रहे हैं । एक माह बाद भी मांगों का लेकर नाटो अधिकारियों की तीन सदस्य समिति गठित करी और नाही निराकरण नहीं किया इसलिए कर्मचारी राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी समिति ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है प्रमुख मांगे स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित किया जाए 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी बनाया जाए स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को मेडिकल पॉलिसी का लाभ दिया जाए स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को अन्य विश्वविद्यालय के समान शासकीय कर्मचारी के बराबर अवकाश सुविधा का लाभ दिया जाए दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का श्रेणी परिवर्तन किया जाए आदि शामिल है यदि मांगों का निराकरण अभी भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने नहीं किया तो भूख हड़ताल अनिश्चितकालीन चलेगी आंदोलन में जगदीश शर्मा सादड़ी शाजली इजहार कुलदीप सिंह तोमर आरिफ मोहम्मद संतोष सूर्यवंशी राज बिहारी पांडे विजय रायकवार राजबहोर सेन प्रियंका शर्मा आदि कर्मचारी शामिल है।

जिला प्रशासन इंदौर की बड़ी कार्रवाई

बगैर अनुमति के संचालित एसिड फिनाइल व अन्य खतरनाक रसायन की फैक्ट्री सील

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशा पर जिला प्रशासन की टीम ने एक बड़ी कार्रवाही करते हुए बगैर अनुमति के संचालित एसिड, फिनाइल व अन्य खतरनाक रसायन की फैक्ट्री को सील किया गया।

एसडीएम राऊ विनोद राठौर ने बताया कि राजा रमन्ना प्रौद्योगिकी उन्नत शोध संस्थान (आर आर कैट) के पास उनकी दीवार से लगाकर ग्राम सुखनिवास स्थित निजी भूमि पर विष्णु पिता किशन द्वारा बगैर अनुमति के एसिड बॉटलिंग एवं रिफलिंग का कार्य एवं फैक्ट्री संचालन किया जा रहा था। यह कार्य स्वप्निल इंडस्ट्रीज़ व प्रांजल हाइजीन फर्म के नाम से किया जा रहा था। फैक्ट्री में मौके पर लगभग 8 से 10 हज़ार लीटर एसिड, 500 लीटर फ़िनाइल व अन्य रसायन पाये जाने पर उक्त कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान एसडीएम राऊ सहित तहसीलदार राऊ, मप्र प्रदूषण बोर्ड के कनिष्ठ वैज्ञानिक, राजस्व निरीक्षक, पटवारी आदि मौजूद

थे। मौके पर मिली सामग्री को जप्त करके फैक्ट्री मालिक की सुपर्दगी में दिया गया, जिसे सुरक्षित तरीके से हटवाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1952 के तहत राजा रमन्ना प्रौद्योगिकी उन्नत शोध संस्थान (आर आर कैट) के आसपास इस तरह की गतिविधियां संचालित करना प्रतिबंधित है।

चिड़ियाघर में बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया

ग्वालियर। चिड़ियाघर में बाघिन मीरा ने रविवार रात में तीन शावकों को जन्म दिया है। इनमें शावकों में दो का रंग सफेद है और एक का रंग पीला है। चिड़ियाघर प्रबंधन के मुताबिक तीनों ही शावक व बाघिन मीरा स्वस्थ्य हैं।

यहां बता दें कि चिड़ियाघर की ही बाघिन दुर्गा ने 28 जून को 3

शावकों को जन्म दिया था। दुर्गा के शावकों का दीदार भी सोमवार से ही सैलानियों ने करना शुरू किया है। ऐसे में ग्वालियर चिड़ियाघर में खुशी दोगुनी हो गई है। खासबात यह है कि दो महीने के भीतर ही चिड़िया घर की दो बाघिनों ने शावकों को जन्म दिया है और सभी स्वस्थ्य हैं।

बर्तन धोने को लेकर विवाद के बाद महिला ने लगाई फांसी

भोपाल। शहर के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में गौरीशंकर आवासीय परिसर में रहने वाली एक 34 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना रविवार रात की है। पुलिस को मृतक महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती पूछताछ में महिला के स्वजनों ने बताया कि उसका घर में बर्तन धोने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसने पूजा वाले कमरे में जाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। कटारा हिल्स पुलिस के अनुसार ज्योति विश्वकर्मा गौरीशंकर आवासीय परिसर में रहती थी और ब्यूटी पार्लर में नौकरी करती थी। रविवार रात को जब वह काम से वापस घर वापस लौटी तो किचन में गंदे बर्तन रखे हुए थे। उन्हें धोने को लेकर उसका पति राकेश विश्वकर्मा और बच्चों से विवाद हो गया था। गुस्से में आकर उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फांसी लगा ली।

मानूसन: सीजन के 63 दिन में ही शहर का कोटा पूरा

भोपाल। इस बार मानसून की सक्रियता के कारण लगातार बारिश हो रही है। 2 अगस्त को सीजन के 63 दिन में ही सीजन की बारिश का कोटा (39 इंच) भी पूरा हो गया था। सीजन की बारिश का 1000 मिलीमीटर का आंकड़ा भी पार हो गया है। 20 साल में 10वीं बार ऐसा हुआ। अभी सीजन खत्म होने में 55 दिन बाकी हैं। अब जो भी बारिश होगी वह बोनस में ही कहलाएगी।

मौसम विशेषज्ञ कहते हैं यदि बारिश की यही रफ्तार जारी रही तो यह 20 साल की छठी सबसे ज्यादा बारिश हो सकती है। मौसम डाटा एनालिस्ट एके शुक्ला के मुताबिक 2005 से लेकर 2024 तक के वर्षों में यह छठा मौका है जब मानसून सीजन में ज्यादा बारिश की यह स्थिति बनी है। दो साल पहले सीजन में सबसे ज्याद कोटे से भी दोगुनी 1881 मिमी बारिश हुई थी, पिछले साल उससे आधी 923 मिमी बारिश ही ही हुई थी। इस बार अब तक 980.7 मिमी बारिश हो चुकी है।

केरवा डेम भी लबालब...

भोपाल का चौथा डेम केरवा भी लबालब हो गया है। सोमवार तक यह 97.28 प्रतिशत भर गया था। इसका फुल रिजर्वायर लेवल 509.93 मीटर है, जो 509.81 पहुंच गया। भदभदा डेम का का एक गेट दिनभर खुल रहा। कलियासोत डेम के भी 11 गेट दूसरे दिन भी खुले रहे। सोमवार को कोलार डेम के गेट नहीं खुले। प्रदेश में अब तक 24.84 इंच बारिश हो चुकी है।

झमाझम से राहत

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि मानसून द्रोणिका अब मप्र से हटकर गुजर रही है। आसपास बनी अन्य मौसम प्रणालियों की तीव्रता भी कम हो गई है। इससे प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में फिलहाल झमाझम से राहत रहेगी। हालांकि भोपाल समेत अन्य क्षेत्रों में हल्की बारिश के साथ-साथ उमस का भी अनुभव होगा। अगले 24 घंटों में मध्यम और कहीं-कहीं हल्की वर्षा की संभावना है।

यहां सक्रिय वेदर सिस्टम

उत्तर-पूर्वी राजस्थान और उसके आसपास के इलाकों में बना कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। इसके उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखने और निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर होने की संभावना है। मानसून द्रोणिका अब उत्तर-पश्चिम राजस्थान, चुर्क, जमशेदपुर, कोंटाई और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर होती हुई बंगाल की खाड़ी में फैली। उत्तर-पश्चिम राजस्थान के ऊपर उपर्युक्त अवदाब से लेकर उत्तरी ओडिशा तक दक्षिण की ओर झुकी द्रोणिका बनी हुई है। उत्तर-पूर्व असम के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। गुजरात से केरल तट तक अपतटीय द्रोणिका भी बनी हुई है।

अधिकारियों पर भड़कीं महापौर- बिल्डिंग परमिशन की 104 शिकायतें हैं, ये क्यों बढ़ रही?

भोपाल। बिल्डिंग परमिशन की 104 शिकायतें पेंडिंग है। इतनी नहीं होनी चाहिए। ये क्यों बढ़ रही है? यदि कोई दिक्कत हो तो बैठकर सुलझाएं। महापौर मालती राय ने मंगलवार को बिल्डिंग परमिशन शाखा के अफसर को कॉल करके कुछ इस तरह से निर्देश दिए।

भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार को महापौर राय ने महापौर हेल्पलाइन की समीक्षा की। उन्होंने हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया। महापौर ने उद्यान, सिविल, गोवर्धन परियोजना, अतिक्रमण, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवेज, स्ट्रीट डॉग्स प्रभारी को भी कॉल किया। महापौर ने बिल्डिंग परमिशन शाखा के अफसर से कहा कि यदि शिकायतें पुरानी हैं, जो उनकी वजह बताते हुए उन्हें दूर किया जाए। शिकायतों के संबंध में मीटिंग में चर्चा करेंगे।

एक सप्ताह में 575 शिकायतें आईं

महापौर राय ने बताया कि इस सप्ताह कुल 575 शिकायतें आई हैं। करीब 200 शिकायतों पर काम चल रहा है। बाकी दूर कर दी गई। करीब 1 हजार पुरानी शिकायतें हैं। इनमें सबसे ज्यादा स्ट्रीट डॉग से जुड़ी हैं। लोग खुद बंद नहीं कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि कॉलोनी से हमेशा के लिए डॉग हट जाए, लेकिन निगम के पास संसाधन कम है। वहीं, नियम है कि जहां से डॉग को पकड़ते हैं, वहीं पर छोड़ते हैं। इसलिए शिकायतें पेंडिंग हैं। सीवेज की शिकायतें भी तुरंत दूर कर रहे हैं।

लोगों को भी कॉल किया

महापौर ने मंगलवार को अफसरों के साथ शिकायत करने वाले लोगों को भी कॉल किया। एक व्यक्ति से पूछा कि आपने अतिक्रमण की शिकायत की थी, क्या वह दूर हो गई? इस पर व्यक्ति ने कहा कि कल अमले ने अतिक्रमण हटा दिया, लेकिन आज फिर से जमा हो गया। महापौर ने अगली कार्रवाई करने की बात कहीं।

केंद्रीय मंत्री का पीए बताकर कराता था ट्रांसफर, ग्वालियर में पकड़ाया

दो टीआई के तबादले के लिए डीजीपी को भेजे मैसेज

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्रियों के पीए के नाम से ट्रांसफर कराने का झांसा देकर फ्रॉड करने वाले जालसाज को ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम पुष्पेंद्र दीक्षित (शर्मा) है। वह केंद्रीय मंत्रियों के साथ धार्मिक वेशभूषा में फोटो खिंचाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करता था। लोग इसके झांसे में आ जाते थे।

आरोपी ने जुलाई 2024 में शिवपुरी और गुना के दो टीआई विनय यादव, पंकज त्यागी को भिंड और ग्वालियर ट्रांसफर कराने के लिए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का पीए जयकिशन बनकर डीजीपी मध्यप्रदेश और विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) को मैसेज किए थे। जिस सिम नंबर से मैसेज किए, वह गलत तरीके से मंत्री के पीए के नाम से इश्यू कराई थी।

उस समय मामले का खुलासा होने के बाद से ही इस फ्रॉड की पुलिस को तलाश थी। पुलिस को सोमवार को आरोपी के अपने गांव ऊदलपाटा टेकनपुर (डबरा) में होने का पता लगा तो घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। फ्रॉड से ट्रांसफर कराने के लिए संपर्क करने वाले दोनों टीआई को पुलिस महानिदेशक ने सस्पेंड कर दिया था।

डीजीपी ने भांप लिया था उन्हें मिला मैसेज सही नहीं

आईजी ग्वालियर रेंज अरविंद सक्सेना ने बताया- आरोपी के भेजे मैसेज की भाषा से डीजीपी को समझ आ गया था कि यह मैसेज सही नहीं हैं। उन्होंने आईजी ग्वालियर को ये मैसेज भेजकर इसकी सत्यता का पता लगाने के लिए कहा था। क्राइम ब्रांच ने पूरी कहानी का पता लगाया तो खुलासा हुआ कि यह नंबर तो केंद्रीय मंत्री के पीए का है ही नहीं।

आरोपी ने ट्रांसफर का फॉलोअप भी मांगा था

आरोपी पुष्पेंद्र दीक्षित पुत्र प्रमोद शर्मा निवासी ऊदलपाड़ा चिरपुरा डबरा ने पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) मध्यप्रदेश को भी केंद्रीय मंत्री सिंह के निजी सचिव जयकिशन बनकर मैसेज भेजे थे। सिम कूटरचित दस्तावेज से ली गई थी। निरीक्षक स्तर के अधिकारी विनय यादव की पदस्थापना शिवपुरी से भिंड, पंकज त्यागी की पदस्थापना गुना से ग्वालियर करने के मैसेज भेजे थे। उसने केंद्रीय मंत्री के नाम का हवाला देकर खुद को उनका निज सचिव बताकर इन दोनों निरीक्षकों के ट्रांसफर का फॉलोअप भी मांगा था।

आठ अगस्त तक रिमांड पर

एसपी ग्वालियर धर्मवीर सिंह ने बताया कि आरोपी पुष्पेंद्र को पुलिस ने 8 अगस्त तक रिमांड पर लिया है। आरोपी के पास से 5 मोबाइल, 1 लाख रुपए नकद, कई आधार कार्ड और अन्य विभागों के लिए बनाए गए पत्र, दस्तावेज जब्त किए गए है।

2017 में बीएसएफ जवानों के ट्रांसफर कराए थे

शातिर आरोपी पुष्पेंद्र के खिलाफ पूर्व में अपराध दर्ज हुआ है। पूर्व में भी दिसंबर 2016 में इसने केंद्रीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के विदेश मंत्रालय के कार्यालय के जरिए अर्द्धशासकीय पत्र भेजकर महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल कार्यालय नई दिल्ली के बीएसएफ के कर्मचारियों के ट्रांसफर के लिए पत्र प्रेषित किया था, जो कूटरचित होना पाया गया था। इसके बाद दक्षिण दिल्ली के लोधी कॉलोनी थाना पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में भी यह फरार था।

वन विभाग: मुख्यालय में 5 के बजाय 10 पीसीसीएफ और एपीसीसीएफ 25 की बजाए सिर्फ 4

भोपाल। वन विभाग के मुख्यालय में प्रशासनिक ढांचा गड़बड़ा गया है। पीसीसीएफ अधिकारियों की संख्या 14 जा पहुंची है, जिसमें से 4 प्रतिनियुक्ति पर निगम-मंडलों में हैं और 10 वन मुख्यालय में कार्यरत हैं। जबकि मुख्यालय में पीसीसीएफ के कुल स्थाई पद 5 ही हैं, 4 अस्थाई अतिरिक्त पद सिर्फ एक साल के लिए हैं। लेकिन दूसरी ओर एपीसीसीएफ अफसरों के स्वीकृत 25 पदों की तुलना में सिर्फ 4 ही अधिकारी मुख्यालय में कार्यरत हैं।

वन विभाग के पास कुल एपीसीसीएफ अफसरों की संख्या सिर्फ 12 रह गई है, जिसमें से 5 प्रतिनियुक्ति पर निगम मंडलों में कार्यरत हैं, जबकि एपीसीसीएफ 2 अधिकारी एल कृष्णमूर्ति और उत्तम शर्मा नेशनल पार्कों में सीसीएफ स्तर की फील्ड डायरेक्टर की पोस्ट पर जमे हैं। एक अधिकारी बिंदु शर्मा दिल्ली में एपीसीसीएफ जनसंपर्क हैं।

2025 तक एपीसीसीएफ अफसरों की संख्या आधी रह जाएगी- वन अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2027 में विभाग में ऐसी स्थिति आने वाली है, जब वन मुख्यालय में पोस्टिंग लिए राज्य शासन के पास एपीसीसीएफ अधिकारी एक भी नहीं होंगे और पीसीसीएफ बनाने के लिए मुश्किल से एक-दो अधिकारी ही होंगे। अगले साल 2025 में प्रदेश में एपीसीसीएफ अफसरों की संख्या 12 से घटकर सिर्फ 6 ही रह जाएगी। 2026 में सिर्फ 4 रह जाएगी। 2027 से 2035 तक विभाग में सीनियर स्तर के अधिकारियों का भारी टोटा रहेगा।

क्योंकि एपीसीसीएफ बनने के लिए आईएफएस अधिकारी के रूप में 25 साल की सर्विस होना जरूरी है। जबकि पीसीसीएफ के लिए 30 साल की सर्विस होना जरूरी है। राज्य वन सेवा से प्रमोट होकर आईएफएस बनने वाले इस क्राइट एरिया को पूरा नहीं कर पाते हैं, इस कारण वे अधिकतम सीसीएफ के पद से सेवानिवृत हो जाते हैं। सीसीएफ के लिए 18 साल और सीएफ के लिए 14 साल की सर्विस के बाद ही पदोन्नति होती है।

घटा दिए थे सीधी भर्ती के पद

एक सीनियर अफसर के मुताबिक इसकी वजह 1996 में लिया गया एक गलत निर्णय है, जिसके कारण वर्ष 1998 से 2007 के बीच मप्र में सीधी भर्ती से सिर्फ 7 आईएफएस अधिकारियों की नियुक्ति की गई। हर साल 10 अफसरों की नियुक्ति होना चाहिए थी। 2007 के बाद हर साल 15 से 20 अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। इसका खामियाजा 25 साल बाद सामने आया है।

लगातार एक दशक तक सीधी भर्ती के अधिकारी नहीं आने से प्रमोशन के लिए सर्विस एक्सपीरियंस का क्राइटेरिया पूरा करने वाले अफसरों का टोटा पड़ गया है। अगले 10 साल तक प्रशासनिक ढांचा गड़बड़ाया रहेगा। 2024 शुरू होते ही पदोन्नति के लिए अफसरों का संकट विभाग में खड़ा होना शुरू हुआ है।

इंडिगो की भोपाल से अहमदाबाद जा रही उड़ान तकनीकी खराबी के बाद निरस्त, यात्री हुए परेशान

भोपाल। मंगलवार को इंडिगो की भोपाल से अहमदाबाद जा रही मॉर्निंग उड़ान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण एयरलाइन कंपनी ने उड़ान को निरस्त कर दिया। इसके चलते यात्रियों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस फ्लाइट से करीब 70 यात्री अहमदाबाद के लिए सफर करने वाले थे।

हालांकि इंडिगो प्रबंधन ने यात्रियों को शाम की उड़ान से जाने का विकल्प दिया है। लेकिन ऐसे यात्री जो जरूरी मीटिंग या अन्य काम से जा रहे थे, वे फ्लाइट कैंसल होने के बाद नाराज नजर आए। ऐसे कुछ यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा भी किया। जानकारी के अनुसार अहमदाबाद उड़ान सुबह 8-35 बजे भोपाल से अहमदाबाद के लिए टेकऑफ होती है। टेकऑफ होने से पहले ही उड़ान में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण इंडिगो ने यात्रियों को बताया कि उड़ान रवाना नहीं हो पाएगी।

कुछ यात्री मंगलवार को सुबह 6-00 बजे

एयरपोर्ट पर पहुंच गए थे। इन यात्रियों को अचानक उड़ान निरस्त होने से परेशान होने पड़ा। कई यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा कर दिया। लेकिन इंडिगो प्रबंधन ने कहा कि चूंकि विमान में तकनीकी गड़बड़ी आ गई है, इसलिए इसे रवाना नहीं किया जा सकता। इंडिगो ने यात्रियों को शाम की उड़ान से जाने का विकल्प दिया। साथ ही ऐसे यात्रियों को पूरा रिफंड देने की भी पेशकश की, जो यात्रा निरस्त करना चाहते हैं।

भोपाल से इंटरनेशनल उड़ानें शुरू होने की उम्मीद

राजा भोज एयरपोर्ट से 24 घंटे उड़ान संचालन के साथ ही इंटरनेशनल उड़ानें प्रारंभ कराने के प्रयास शुरू हो गए हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी का प्रयास है किदुबई उड़ान के साथ इंटरनेशनल रूट की शुरूआत की जाए। अथारिटी ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने वाली एयरलाइंस को प्रजेंटेशन दिया है, इसमें बताया गया है कि उनसे विमानों का नाइट पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। भोपाल एयरपोर्ट को हाल ही में इंटरनेशनल दर्जा मिला है। कस्टम काउंटर एवं ई गेट भी स्थापित किए जा चुके हैं। हज यात्रा के दौरान इंटरनेशनल विंग का उपयोग किया गया था, लेकिन फिलहाल विदेशी रूट पर एक भी उड़ान नहीं है। एक अक्टूबर से एयरपोर्ट से 24 घंटे उड़ान संचालन शुरू हो जाएगा। फिलहाल आगमन-प्रस्थान क्षेत्र में एक साथ 800 यात्रियों को रोकने की क्षमता है। संभावित इंटरनेशनल उड़ानों को देखते हुए नया अराइवल क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। जल्द ही तीन हजार से अधिक यात्री क्षमता हो जाएगी। नए अराइवल क्षेत्र में एसक्लेटर भी लगाया जाएगा। पार्किंग क्षेत्र का भी विस्तार होगा। चेकइन काउंटर्स की क्षमता 14 से बढ़ाकर 40 करने का प्रस्ताव है।